हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
वर्ष : 12 अंक : 208 देहरादून, शुक्रवार, 09 फरवरी 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

मंत्री गणेश जोशी ने UCC बिल के लिए सीएम धामी को दी बधाई 3

अप्रैल से चलेगी पहली मानसखण्ड एक्सप्रेस ट्रेन : सतपाल महाराज

विभागीय मंत्री की उपस्थिति में पर्यटन विकास परिषद और आई०आर०सी०टी०सी० के मध्य हुआ करार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 फरवरी : पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में पर्यटन विभाग एवं आई०आर०सी०टी०सी० के मध्य देश के विभिन्न क्षेत्रों से राज्य के अल्पज्ञात गंतव्यों के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन मानस एक्सप्रेस चलाए जाने के लिए अनुबंध किया गया है। पर्यटन विभाग की ओर से डा० हरीश रेड़तोलिया, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तथा आई०आर०सी०टी०सी० की ओर से समूह महाप्रबन्धक सुनील कुमार, द्वारा अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये।

माननीय मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्यटन विभाग की यह महत्वाकांक्षी योजना है, जिससे हमारे राज्य के सुदुरवर्ती मंदिर, गंतव्य स्थान, डेस्टिनेशन अब रेल की कनैक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटक/श्रद्धालु ट्रेन के गंतव्य स्थल के बाद बस सर्विस के जरिये अपने गंतव्य स्थानों तक पंहुचकर दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मानसखण्ड माला के लिए यह बहुत ही सुन्दर कनैक्टिविटी है। उन्होंने कहा कि बड़ी प्रशंसा हो रही है कि उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग तथा भारतीय रेल के मध्य यह एमओयू हुआ है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों से आग्रह किया कि मानसखण्ड आइए आदी कैलाश, ओम पर्वत तथा यहां जो अलब्य स्थान हैं उनके दर्शन किजिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान उत्तराखंडी व्यंजन परोसे जाएँगे तथा पर्यटन विभाग द्वारा प्रशिक्षित गाइड्स को भी रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन को उत्तराखण्ड से जुड़े विभिन्न गंतव्यों, उत्तराखण्डी व्यंजन, त्योहार आदि के चित्रों द्वारा सुसज्जित किया जायेगा, जिससे देश के विभिन्न शहरों से गुजरने पर इन गंतव्यों के बारे में आमजनमानस को जानकारी भी प्राप्त होगी।

राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा एक नई पहल की गई है। जिसमें उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् एवं आईआरटीसी(Indian Railway catering and Tourism Corporation Limited)के बीच मानसखण्ड मंदिरों तथा अन्य स्थलों के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष ट्रेन (मानसखण्ड एक्सप्रेस) संचालित किए जाने पर आज एक एमओयू (समझौता हस्ताक्षर) किया गया। मानसखण्ड स्थित विभिन्न मंदिरों के भ्रमण हेतु पहली ट्रेन अप्रैल, 2024 में कोलकाता से चलाई जाएगी। उसके बाद अन्य शहरों के लिए भी तैयारी की जा रही है। मानसखण्ड एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन हेतु हुए करार के अनुसार उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का खर्च सालाना पांच करोड़ के लगभग होगा।

यह ट्रेन पूर्णागिरी, हॉट कालिका, पाताल भुवनेश्वर, मायावती, बालेश्वर, मानेश्वर, जागेश्वर, गोलू देवता-चितई, नंदादेवी, कसार देवी, कटारमल अल्मोड़ा, नानकमत्ता गुरुद्वारा खटीमा और नैना देवी नैनीताल ऐसे सम्भावित स्थल हैं जिनका मानसखण्ड एक्सप्रेस ट्रेन के यात्रियों के दर्शनार्थ प्रमुख स्थान हैं। मानसखण्ड एक्सप्रेस ट्रेन में पांच सौ यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। ट्रेन के सभी यात्री डिब्बे सेकेण्ड ए०सी० हैं। साथ ही ट्रेन में यात्रा के दौरान भोजन की भी व्यवस्था होगी। यात्रा के दौरान यात्रियों को उत्तराखण्ड के स्थानीय व्यंजन भी परोसे जाएंगे। यात्रा के दौरान होटल व्यवस्था, बसों द्वारा भ्रमण, गाइड आदि को टूअर पैकेज के रूप में आईआरटीसी रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

उत्तराखण्ड पर्यटन का यह नूतन प्रयास, भारत के सुदूर इलाकों से सैलानियों को उत्तराखण्ड के विभिन्न अल्पज्ञात दर्शनीय स्थलों तक पहुँचाने में कड़ी का काम करेगा। इस ट्रेन के संचालन से राज्य के पर्यटन विकास को एक नयी दिशा मिलेगी। मानसखंड स्थित मंदिरों की यात्रा के साथ शुरू होने वाली प्रथम ट्रेन अप्रैल माह में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। भविष्य में तमिलनाडु से कार्तिक स्वामी मंदिर रुद्रप्रयाग, उड़ीसा से जगन्नाथ मंदिर - उत्तरकाशी आदि के लिए भी यात्रा कार्यक्रम बनाए जाएँगे। इस ट्रेन में 500 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। ट्रेन के सभी यात्री डब्बे, 2एसी हैं। साथ ही ट्रेन में भोजन की व्यवस्था भी होगी। यात्रा के दौरान भोजन आदि की व्यवस्था, प्रवास के दौरान होटल, बसों द्वारा भ्रमण, गाइड आदि को टुअर पैकेज के रूप में आरटीसी, जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार का उपक्रम है, द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

अब हेलीपैड में मुस्तैद रहेंगे होमगार्ड : केवल खुराना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 फरवरी , प्रदेश में 13 हेलिपैड हैं इनमें से केवल छह ही हेलिपैड संचालित हैं। विभाग की ओर से सभी जिलों से नौ-नौ होमगार्डों की सूची मांगी गई है।

सूची मिलने के बाद इन होमगार्डों की ड्यूटी निर्धारित की जाएगी -केवल खुराना, आईजी-कमांडेंट जनरल होमगार्ड, देहरादूनशासन ने होमगार्ड विभाग से प्रदेश के सभी हेलिपैड की सुरक्षा के लिए होमगार्ड उपलब्ध कराने की बात कही है। शासन के निर्देश पर आईजी-कमांडेंट जनरल होमगार्ड ने प्रदेश के सभी जिला कमांडेंट से नौ-नौ होमगार्डों के नामों की सूची मांगी है।जल्द ही होमगार्डों के हाथों में प्रदेश के सभी 13 हेलिपैड की सुरक्षा की कमान होगी।

शासन की ओर से हर होमगार्ड विभाग से नौ-नौ होमगार्डों के नाम की सूची मांगी गई है। सूची में वहीं होमगार्ड शामिल होंगे जिन्होंने एसएलआर की ट्रेनिंग ली हुई है। इनमें महिला और पुरुष होमगार्ड शामिल होंगे। सूची में भेजे जाने वाले नामों पर आईजी केवल खुराना की मुहर लगते ही होमगार्डों की हेलीपैड पर ड्यूटी लगाई जाएगी।

राज्य विधान सभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पास होने के पीछे उत्तराखण्ड की जनता की शक्ति : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का गुरुवार को सर्वे चौक स्थित आई.आर.डी.टी. सभागार में प्रदेश में समान नागरिक संहिता विधेयक विधान सभा से पारित होने पर गर्मजोशी से स्वागत के साथ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्वर्णिम देवभूमि परिषद द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में बडी संख्या में बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्य लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू किये जाने के लिये मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सभी ने प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने राज्य विधान सभा में नागरिक संहिता विधेयक पास होने के पीछे उत्तराखण्ड की जनता की शक्ति बताते हुये कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह कानून मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्र सरकार तथा प्रदेश की देवतुल्य जनता का भी आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश का नेतृत्व आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम हाथों में है, जिनके लिए देश सर्वप्रथम है, जो इस देश को ही अपना परिवार समझते हैं और अपने परिवारजनों का सुख-दुःख ही उनका सुख-दुःख है।

उत्तराखंड में कम होगा सर्दी का सितम पहाड़ से मैदान तक खिली धूप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 09 फरवरी : उत्तराखंड में दो दिनों तक हुई बारिश-बर्फबारी के बाद कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हालांकि अब मौसम साफ होने लगा है। अगले चार दिनों तक मौसम में बड़ा बदलाव आने की संभावना कम ही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिन तक मौसम साफ रहेगा। हालांकि, कुछ मैदानी इलाकों में सुबह-शाम हल्का कोहरा छाने और पर्वतीय इलाकों में पाला पड़ने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आठ से 11 फरवरी तक पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा।

बात करें तो हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ इलाकों में सुबह-शाम के समय हल्का कोहरा छाने की संभावना है। बाकी जिलों को कोहरे संबंधी दिक्कतें नहीं झेलनी पड़ेंगी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य भर के तमाम जिलों में आसमान साफ रहने के साथ लोगों को अच्छी धूप देखने को मिलेगी, हालांकि पर्वतीय जनपदों में पाला पड़ने से लोगों को दिक्कतें आ सकती हैं।

इसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी कर दिया है। पाला पड़ने की संभावना को देखते हुए किसानों और पर्यटकों को एहतियात बरतने के लिए कहा गया है। इन दिनों पर्वतीय इलाकों में पाले से सड़कों पर फिसलन है। ऐसे में पहाड़ की घुमावदार सड़कों पर वाहन चलाते वक्त लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।

क्या होती है साउंड थेरेपी, शरीर और दिमाग के लिए कैसे है ये फायदेमंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 फरवरी : लोग शांति और सुकून पाने के लिए कई तरह की थेरेपी लेते हैं। लेकिन एक थेरेपी ऐसी भी है, जिसमें ध्वनि का इस्तेमाल करके शांति प्रदान की जाती है। आप सोच रहे होंगे कि आवाज सुनकर किसी को शांति कैसे मिल सकती है। लेकिन ऐसा है और इस थेरेपी को साउंड थेरेपी कहते हैं। साउंड थेरेपी तकनीक में कुछ खास तरह के इक्विपमेंट की मदद से ध्वनि और वाइब्रेशन उत्पन्न किए जाते हैं, जिससे व्यक्ति का उपचार किया जाता है। साउंड थेरेपी में साउंड और वाइब्रेशन के इस्तेमाल से व्यक्ति की शारीरिक/ मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रभावित किया जाता है।

साउंड हीलिंग थेरेपी को शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए लिया जाता है। इस थेरेपी में इलाज करने वाले प्रोफेशनल्स कुछ खास तरह के तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें शामिल हैं: म्यूजिक सुनना, म्यूजिक के साथ गाना ,संगीत की ताल पर मूव करना , मेडिटेशन करना ,किसी तरह का म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट बजाना माना जाता है कि ध्वनि के साथ उपचार करने की शुरुआत ग्रीस से हुई थी। इसमें मानसिक समस्याओं को ठीक करने के प्रयास में संगीत का उपयोग किया जाता था। माना जाता है कि, संगीत का उपयोग करके सैनिकों का मनोबल बढ़ाया जाता था, लोगों के काम में तेजी और अधिक प्रोडक्ट बनाने के लिए संगीत का सहारा लिया जाता था। इतना ही नहीं इसके अलावा बुरी आत्माओं को भगाने के लिए भी संगीत का सहारा लिया जाता था।

हाल ही में, कुछ रीसर्च में भी संगीत को कई स्वास्थ्य लाभों से जोड़ा गया है, जिसमें चिंता कम करने से लेकर इम्यून फंक्शन को बढ़ावा देने और यहां तक कि प्रीमैच्योर बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार शामिल है। बोनी थेरेपी , ब्रेनवेव एंटरटेनमेंट , गाइडेड मेडिटेशन , ट्यूनिंग फोर्क थेरेपी ,Nordhoff-रॉबिन्स ,साउंड थेरेपी के प्रकार ,न्यूरोलॉजी म्यूजिक थेरेपी

किसके लिए फायदेमंद है साउंड थेरेपी? साउंड थेरेपी का उपयोग कई स्थितियों के उपचार के लिए किया जाता है, इसमें शामिल हैं- एंग्जायटी ,डिप्रेशन ,किसी ट्रॉमा से उबरने के लिए ,पागलपन ,ऑटोमेटिक लोगों के लिए ,सीखने की कठिनाई से जूझ रहे लोगों के लिए ,व्यवहारिक और मानसिक विकार साउंड थेरेपी के कुछ कथित लाभ तनाव कम करना ,मूड स्विंग कम करना ,ब्लड प्रेशर कम करें , कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करना ,दर्द को प्रबंधित करना सिखाए ,कोरोनरी आर्टरी रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करना ,नींद में सुधार करना।

क्या आप जानते है हफ्ते में सात दिन ही क्यों होते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 फरवरी : हफ्ते में 7 दिन और महीने में 4 हफ्ते होते हैं. हिंदी कैलेंडर हो, या अंग्रेजी कैलेंडर, या फिर इस्लामिक कैलेंडर, सबमें यह एक चीज कॉमन है. लेकिन कभी सोचा कि हफ्ते में सात दिन ही क्यों होते हैं? आठ, दस, या पांच-चार दिन क्यों नहीं? क्या इनका नवग्रहों से कोई रिश्ता है? अगर है तो सारे कैलेंडर उसे ही क्यों फॉलो करते हैं? आखिर ये कॉन्सेप्ट आया कहां से? जवाब बेहद चौंकाने वाला है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 7 अंक सिर्फ हिन्दू नहीं तमाम संस्कृतियों के लिए महत्वपूर्ण रहा है. सबसे पहले जो साक्ष्य मिलते हैं, उनके मुताबिक, लगभग 2300 ईसा पूर्व में अक्काद के शासक सर्गोन प्रथम के समय 7 दिनों का सप्ताह बनाया गया. सर्गोन खगोलीय रूप से प्रतिभाशाली बेबीलोनिया इराक के राजा थे. वे 7 नंबर की पूजा किया करते थे. यहां के लोग तब दूरबीन के जरिए जनि 7 ग्रहों को देख सकते थे, उन्हीं के नाम पर इन सातों दिनों का नाम रखा गया. जैसे सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, तथा शनि. इनमें से 5 ग्रह

को नग्न आंखों से देखे जा सकते थे।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इस ग्रहों को ही क्यों आधार बनाया गया? रिपोर्ट के मुताबिक, महीनों, वर्षों और दिनों का सीधा संबंध खगोलीय घटनाओं से है. जैसे पृथ्वी का अपनी धुरी पर घूमना या सूर्य की परिक्रमा पूरी करना. चंद्रमा लगभग 27.3 दिन में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी करता है. अमावस्या से पूर्णिमा अथवा पूर्णिमा से अमावस्या के बीच का काल लगभग 14.5 दिन का है. इसका आधा हुआ 7.25. यानी लगभग सात दिन. इसी तरह एक महीने को 2 पक्षों, प्रत्येक पक्ष को दो हफ्तों में बांटा गया. फिर 52 हफ्तों को मिलाकर एक वर्ष बनाया गया. यहूदी धर्म में मान्यता है कि इन 7 दिनों में ही विश्व की रचना हुई थी. रोमन साम्राज्य में इन सात 'ग्रहों' को क्रमबद्ध रूप से रखकर मानक तय किए गए. लगभग सभी संस्कृतियों में सप्ताह के दिनों को नाम इन दो विधियों से ही दिए गए हैं।

10 रुपये का ये नोट बना सकता है आपको लखपति, बस करना होगा ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 फरवरी : दोस्तों हमारे में से बहुत कुछ लोग ऐसे है जिनको पुरानी चीज़े रखने का बहुत ज्यादा शोक होता है , लेकिन कई बार ये शोक आदमी के फायदे का सोदा भी बन जाता है . पहले का जमाने में 10 पैसे और 20 पैसे चलते थे लेकिन उनकी आज कोई वैल्यू नहीं है।

लेकिन कुछ पुराने नोटों में ऐसी खासियत है की वो लाखो कमा कर दे सकते है . यदि आपके पास पुराना 10 का नोट है तो दोस्तों खुश हो जाये आप इस नोट के जरिये लाखों रुपये कमा सकते है . लेकिन इस नोट में कुछ खासियत होनी चाइये , तो चलिए आपको बताते है वो क्या होनी चाहिए।

देखिये कोई भी आम नोट के लिए कुछ भी पैसा नहीं देंगा लेकिन अगर आप ये जानना चाहते है की वो क्या खासियत है तो दोस्तों आपको बता दे की उस 10 के नोट में 786 लिखा होना जरूरी है . साथ में ये नोट है जो

काले रंग में आता है और उसमे नाव की तस्वीर छपी होनी जरूरी है . क्योंकि इस प्रकार के नोट स्पेशल केटेगरी में आते है और रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया इस नंबर का सिर्फ एक नोट ही जारी करती है इसलिए ये नोट ख़ास हो जाता है। आज के युग में कोई भी चीज असंभव ही नहीं रह गयी है क्योंकि आज का समय डिजिटल जमाना है , बहुत से ऑनलाइन प्लेटफार्म ऐसे है जहा पर हम इस नोट को बेच सकते है . इसलिए लिए हमे उस प्लेटफार्म पर जा कर उस 10 के नोट की तस्वीर और सब डिटेल फिल करनी होगी . जैसे ही खरीदार इसको देखेंगा वो आपसे संपर्क कर लेगा और बता देगा की इस नोट के में आपको इतने रुपये दे सकते हु .अब आपके दिमाग में ये आ रहा होगा की वो कोन कोन सी वेबसाइट है जहा पर हम इस नोट को बेच सकते है तो आपको बता दे की फ्लिपकार्ट , अमेज़न सब जगह आप बेच सकते है . इसलिए आप कोई भी पुरानी चीज़ फेकने से पहले 10 बार सोचना और अपने पास इकठा करना .

क्या खतरा बन सकता है पावर बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 फरवरी : आज के वक्त में हम बिजली से चलने वाले कई तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं. इसमें मोबाइल फोन, ईयर बड्स, टैबलेट आदि जैसी चीजें शामिल होती हैं. इन चीजों में बैटरी बैकअप होता है, पर खत्म होने पर उन्हें दोबारा चार्ज करना पड़ता है. अब दोबारा चार्ज करने के लिए हर जगह सॉकेट तो उपलब्ध हो नहीं सकता. ऐसे में लोग पावर बैंक्स को साथ ले चलते हैं. ये एक उपकरण है, जिसे चार्ज करने के बाद, ये दूसरे उपकरणों को चार्ज करने के काम आता है. पर इसे आमतौर पर फ्लाइट्स पर ले जाने से रोका जाता है. क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों है।

देश-दुनिया जुड़े अनोखे फैक्ट्स जो आपको हैरान कर देते हैं. आज हम बात करेंगे, पावर बैंक्स के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने सवाल किया- "पावर बैंक हवाई जहाज में ले जाना क्यों मना है?" सवाल काफी रोचक है क्योंकि आजकल लोग अक्सर विमानों में पावर बैंक लेकर यात्रा करते हैं.

प्रमेंद्र नाथ मिश्रा नाम के यूजर ने इसका जवाब देते हुए कहा- "पावर बैंक लगेज में भरकर ले जाने की मनाही है, इसे कार्गो सामान भी कहते हैं, जो विमान में आपसे दूर नीचे कार्गो होल्ड में रखा जाता है. हाथ के सामान के साथ इसे ले जा सकते हैं. कारण ये है कि इसमें लिथियम बैटरी होती है जो रगड़ खाने पर या अधिक दबने पर विस्फोट कर सकती है. इस विस्फोट से आस पास रखे सामान में आग लगने की संभावना हो सकती है." जॉयशा नाम की एक यूजर ने कहा- "एयरलाइन्स पावर बैंक को कार्गो लगेज के साथ ले जाने से मना करते हैं. इसके पीछे की मुख्य वजह सुरक्षा है. ऐसा इसलिए कि पावर बैंक में लिथियम सेल लगे होते हैं. लिथियम बैटरी के गर्म होने पर ब्लास्ट होने की संभावना बनी रहती है. यही एक कारण है कि प्लेग के कार्गो लगेज के साथ पावर बैंक को ले जाने पर मनाही है. IATA (इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन) ने 2017 में रिवाइज्ड रेग्युलेशन के मुताबिक लिथियम मेटल या लिथियम बैटरी को ट्रांसपोर्ट करने पर बैन लगा दिया गया है.

आइए देखते हैं कि विश्वस्नीय सोर्सेज के अनुसार इस सवाल का सही जवाब क्या है. ट्रैवल और टूरिज्म से जुड़ी चर्चित कंपनी इग्जिगो की वेबसाइट के अनुसार पावर बैंक को प्रतिबंधित सामान नहीं माना जाता है, हालांकि, उनके इस्तेमाल से जुड़े नियम कुछ अलग होते हैं. ये नियम एयरलाइन या फिर देश के नियमों के अनुसार होते हैं. पावर बैंक को कैबिन लगेज में ले जाने के लिए कहा जाता है, चेक इन लगेज में उसे ले जाने नहीं देते.

ऐसा इसलिए क्योंकि पावर बैंक में लिथियम आयन बैट्रीज होती हैं. जिसे इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार खतरनाक सामान माना जाता है. इन्हें बैटरी की तरह माना जाता है, इस वजह से लगेज के साथ नहीं ले जाने देते क्योंकि फ्रिक्शन से इसके कारण आग लग सकती है. कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन में 100 वॉट आवर (Wh), यानी 27,000 mAh के पावर बैंक्स को केबिन में ले जाने देते हैं. अगर पावर बैंक 100 वॉट आवर से 160 वॉट आवर तक है, तो एयरलाइन की खास परमीशन की जरूरत पड़ती है. वहीं अगर पावर बैंक उससे ज्यादा वॉट आवर का होता है तो उसे ले जाने पर सख्त रोक होती है.

मंत्री गणेश जोशी ने कार्यों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 08 फरवरी। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने विधानसभा में देहरादून गुनियाल गांव में निर्माणाधीन सैन्य धाम के निर्माण कार्यों की प्रगति की विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों से सैन्य धाम के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्माण से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए हर हाल में फरवरी माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य तेजी तथा दिन रात कार्य करने निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को समय निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना और प्रदेश सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट सैन्य धाम जनभावना से जुड़ा है। जब यह सैन्य धाम बनकर तैयार होगा निश्चित ही चारों धामों की भांति सैन्य धाम को देखने के लिए भी देश-दुनिया से लोग आएंगे।

बैठक में सचिव मुख्यमंत्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, एमडी जल निगम रणवीर सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री गणेश जोशी ने UCC बिल के लिए सीएम धामी को दी बधाई

देहरादून 09 फरवरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक उत्तराखंड 2024 को विधानसभा में पारित होने तथा विधानसभा द्वारा राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण विधेयक को मंजूरी प्रदान करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मिष्ठान खिलाकर उन्हें बधाई दी और उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक विधानसभा में पारित होने पर समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं भी दी।

'कल्लू' बना रहा था पुलिस को 'उल्लू' अब खुद हुआ 'कैद'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर , 9 फ़रवरी , पिछले 25 सालों से न्यायालय को गुमराह करने के आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोप था कि इंदर हत्याकांड के आरोपी ने जेल जाने के दौरान अपना नाम व पिता का नाम बदलकर न्यायालय को कई सालों से गुमराह किया। जब अपीलीय याचिका में नहीं पहुंचे तो फर्जी नाम प्रकरण का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।खुलासा करते हुए एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल और आईपीएस प्रशिक्षु एवं सीओ सदर निहारिका तोमर ने बताया कि वर्ष 1998 में रुद्रपुर स्थित इंदर सिंह के घर पर चोरी के दौरान चोरों ने उनकी ही लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी थी और बंदूक सहित अन्य सामान चुराकर ले गए थे।प्रकरण की तफ्तीश में चार आरोपियों के नाम सामने आए और पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसमें से फूलचंद उर्फ कल्लू पुत्र पाती राम निवासी ऊंचा गांव शीशगढ़ बरेली यूपी को बहेड़ी पुलिस ने बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लिया था। जिसकी सूचना मिलने के बाद तत्कालीन रुद्रपुर कोतवाल द्वारा आरोपी को बी वारंट के तहत रिमांड पर लेकर हल्द्वानी जेल भेज दिया था।मामले की सुनवाई के दौरान धर्मेंद्र नाम के आरोपी की मौत हो गई थी, जबकि एक आरोपी को अदालत ने सजा सुनाते हुए फूलचंद सहित एक अन्य को दोषमुक्त कर दिया था। दोषमुक्त होने के दौरान वर्ष 2003 में सरकार द्वारा हाईकोर्ट में अपील याचिका दायर की। जब न्यायालय ने अपील के लिए फूलचंद को बुलाया, लेकिन वह कई वर्षों तक न्यायालय में पेश नहीं हुआ। जबकि कोतवाली पुलिस लगातार उसकी तस्दीक के प्रयास करती रही।

इसी दौरान वर्ष 2023 में हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद कोतवाल विक्रम राठौर ने टीम बनाकर तस्दीक कराई तो पता चला कि ऊंचा गांव शीशगढ़ बहेड़ी बरेली निवासी फूलचंद उर्फ कल्लू पुत्र पातीराम नाम का कोई भी व्यक्ति नहीं है।इस पर पुलिस ने हत्याकांड के अन्य आरोपियों से पूछताछ की तो पता चला कि हत्याकांड का आरोपी फूलचंद का वास्तविक नाम कल्लू उर्फ कल्याण राम पुत्र नंद राम निवासी ऊंचा गांव रुस्तम नगर शीशगढ़ है। पुलिस ने सुरागरसी व पतारसी के आधार पर आरोपी को बगवाड़ा चौकी इलाके

से गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सजा से बचने के लिए उसने नाम व पिता का नाम बदला और फर्जी दस्तावेज बनाकर न्यायालय में पेश किए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की फिंगर प्रिंट जब हल्द्वानी जेल से मिलान किया तो कल्याण राम ने अदालत को गुमराह करने का कृत्य किया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

एसडीएम से वार्ता के बाद पर्यावरण मित्रों ने की हड़ताल समाप्त

रुद्रपुर। डोर टू डोर कलेक्शन का ठेका निरस्त करने समेत स्वच्छता समिति कर्मियों और पर्यावरण मित्रों की समस्याओं के समाधान के लिए पर्यावरण मित्रों ने गुरुवार को हड़ताल कर दी। गुरुवार सुबह पर्यावरण मित्र सफाई कार्य में नहीं आये। उनके समर्थन में पूर्व पालिका बोर्ड भी आ गया। दोपहर 12 बजे पालिका पहुंचे एसडीएम रविंद्र बिष्ट ने हड़ताली कर्मचारियों से वार्ता कर ठेका स्थगित करने की घोषणा की और समस्याओं के समाधान के लिए ईओ को निर्देशित किया। आश्वासन के बाद दोपहर 12 बजे हड़ताल समाप्त कर दी गयी। पालिका क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन और यूजर चार्ज को लेकर हुए ठेके को लेकर विरोध चल रहा है। पालिका के पुराने बोर्ड के जनप्रतिनिधि भी लगातार विरोध कर रहे थे। पालिका के पर्यावरण मित्र भी नये ठेके का विरोध कर सीधे पालिका की ओर से रखने की मांग कर रहे थे। सुनवाई नहीं होने पर गुरुवार को बेमियादी हड़ताल पर चले गये। मामला कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा तक पहुंचा तो उन्होंने एसडीएम रविंद्र बिष्ट को मुद्दे का हल निकालने को कहा। एसडीएम रविंद्र बिष्ट ने नगर पालिका पहुंचकर पर्यावरण मित्रों से वार्ता की। एसडीएम ने बताया कि ठेके का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए स्थगित किया जा रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि पर्यावरण मित्र मनोज कुमार का आठ माह पूर्व निधन हो गया था। उनकी पत्नी कमला देवी को अभी तक काम पर नहीं रखा है। एसडीएम ने ईओ प्रियंका आर्य को तत्काल कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। कर्मचारियों ने जनवरी का वेतन नहीं मिलने की जानकारी दी। एसडीएम ने कहा कि कोषागार में प्रशासक के हस्ताक्षर भेजकर तत्काल वेतन निकाला जाये। कर्मचारियों के वर्दी नहीं मिलने की शिकायत पर एसडीएम ने ईओ को नियमानुसार पर्यावरण मित्रों को वर्दी मुहैय्या कराने के लिए निर्देशित किया। यहां ऋतु गहतोड़ी, नूर बेग, पंकज रावत, रवि रस्तोगी, जहूर अंसारी, मजीदन बेगम, रहमत हुसैन, सोनल गुप्ता, उषा सागर, कंचन चौहान, सचिन गंगवार, पंकज गहतोड़ी, राधेश्याम सागर, दीप गुप्ता, जिलानी अंसारी, अखिल भारतीय मजदूर के अध्यक्ष अध्यक्ष महेश कुमार, उपाध्यक्ष विनय कुमार, संरक्षक राजपाल सिंह, उषा, शिमला देवी, राजू भारती, सतीश, नन्हे लाल मौजूद रहे।

लंढौर बाजार को पंपिंग योजना से मिलेगा पानी

देहरादून। यमुना मसूरी पेयजल पंपिंग योजना से लंढौर बाजार को भी पानी मिलेगा। आज से इसका काम शुरू कर दिया जाएगा। पेयजल निगम और व्यापारियों की बीच हुई बैठक में इस पर सहमति बनी। अफसरों ने दावा किया कि पाइप लाइन बिछाने का काम एक मार्च तक पूरा हो जाएगा। गुरुवार को अधिकारियों और व्यापारियों की बैठक में तय हुआ कि पाइप लाइन बिछाने के दौरान बाजार में वाहनों की आवाजाही नहीं होगी। सभी वाहन साउथ रोड होते हुए आवाजाही करेंगे। साउथ रोड को पूरी तरह से नो पार्किंग जोन बनाया जाएगा। पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता संदीप कश्यप ने बताया कि बाजार बहुत संकरा है यहां जेसीबी मशीन से खुदाई करना संभव नहीं है, इसलिए अन्य तरीकों से पाइप लाइन बिछाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लंढौर में टैंक तक मेन लाइन बिछायी जा चुकी है, लेकिन बाजार में लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिए सर्विस लाइन बिछायी जानी है। मसूरी व्यापार मंडल के महामंत्री जगजीत कुकरेजा ने कहा कि विद्युत विभाग और पेयजल निगम एक साथ काम शुरू करेंगे, ताकि बार-बार खुदाई न करनी पड़े।

पदक विजेता छात्र-छात्राओं का सम्मान

ऋषिकेश। महाराष्ट्र में आयोजित आर्चरी नेशनल चैंपियनशिप में डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रशासन ने छात्रों को सम्मानित किया। डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य शिव सहगल ने कहा कि बीती 1 से 6 फरवरी तक राजा राम भीकु पत्थआरे स्टेडियम पुणे महाराष्ट्र में आर्चरी नेशनल चैंपियनशिप हुई। इसमें विभिन्न राज्यों के 1030 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में डीएसबी के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, 16 रजत, और पांच कांस्य पदक हासिल किए। कहा कि अंडर 10 कंपाउंड बालक वर्ग में वेद हटवाल ने 1 स्वर्ण, 1 रजत, 14 रिकर्व बालिका वर्ग में अनुष्का जुगतवान ने 2 रजत, 1 कांस्य, आहना सकलानी ने 1 रजत, 1 कांस्य, अंडर-14 कंपाउंड बालिका वर्ग में सांची ने 1 रजत पदक, आराध्य मौर्य ने 2 रजत पदक, अंडर -14 कंपाउंड बालक वर्ग में श्रेयांस भट्ट ने 1 कांस्य पदक, अभिनव रयाल ने 1 कांस्य पदक, अंडर -17 रिकर्व बालक वर्ग में मनीष कंडियाल ने 2 रजत पदक, दीपांचल ने 2 रजत पदक, विहान गैरोला ने 1 रजत ,1 कांस्य पदक, अंडर -17 रिकर्व बालिक वर्ग में उन्नति जोशी ने 2 रजत पदक, अंडर -19 रिकर्व बालक वर्ग में अर्जुन कंस्वाल ने 1 स्वर्ण, 1 रजत पदक और ओजस पैन्यूली ने 1 रजत पदक प्राप्त किया। विद्यालय के चेयरमैन ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

ऋषिकेश में कल होगा गढ़ महोत्सव का आयोजन

ऋषिकेश। लोक संस्कृति को बचाने के लिए उत्तराखंड नवनिर्माण सेवा समिति ऋषिकेश में शनिवार को गढ़ महोत्सव आयोजित करेगी। यह गढ़ महोत्सव स्व. प्रेम गौनियाल की स्मृति में भरत मंदिर इंटर कॉलेज के खेल प्रांगण में आयोजित होगा। बुधवार को आईएसबीटी परिसर स्थित ऋषिकेश प्रेस क्लब में उत्तराखंड नवनिर्माण सेवा समिति ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। समिति अध्यक्ष जगदीश कंडवाल ने कहा कि 10 फरवरी को श्रीभरत मंदिर इंटर कॉलेज में ऋषिकेश गढ़ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। गढ़ महोत्सव में उत्तराखंड के प्रसिद्ध जागर सम्राट मंगलेश डंगवाल, लोक गायिका संगीता ढौंडियाल, पूनम सती गानों की प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी, कार्यक्रम संरक्षक प्रांत कार्यवाहक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिनेश सेमवाल, निवर्तमान मेयर अनिता ममगाईं, पूर्व दर्जाधारी रजनी रावत, समाजसेवी अक्षत गोयल द्वारा किया जाएगा। गढ़ महोत्सव के दौरान हिमालयन अस्पताल की ओर से रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें समिति से जुड़े लोग रक्तदान करेंगे।

रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप दिया है मुख्यमंत्री धामी ने मानवता का संदेश

मनीष चंद्रा
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड के ध्वनि मत से पास होने के बाद उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन और जनता को संबोधित करते हुए आभार जताया, धामी के ये शब्द अब श्रेष्ठ भारत के निर्माण की परिभाषा बनने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा--

बाबा साहब को भूलने का काम किया जाता रहा है

हम बात-बात पर भारत रत्न बाबा साहेब का नाम लेते थकते नहीं हैं लेकिन हमारी पिछली सरकारों ने और राजनीतिक ताकतों ने उन्हें भूलाने का काम किया है, हमने बाबा साहेब के काम को आगे बढ़ने का काम किया है।

देवभूमि के सदन से निकली है एक नई गंगा

जिस तरह से देवभूमि से गंगा निकलती है और वह पूरे भारत को अभिसिंचित करती है आज उसी तरह से इस सदन से यूनिफॉर्म सिविल कोड की जो गंगा निकली है वह पूरे भारत को एक समान दिशा देने का काम करेगी हम गौरवान्वित हैं कि यह काम उत्तराखंड की हमारी सरकार और देवभूमि की देव तुल्य जनता ने किया है।

संकल्प से सिद्धि तक

सीएम धामी ने कहा कि हमने संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा है

देश में पहली बार नागरिकों ने प्रकट कि अपने सुझाव

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह देश का पहला ऐसा विधेयक है जिस पर 10% परिवारों ने अपना मत और सुझाव प्रकट किया है यह देश के लिए एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक अभ्यास है जो कि अब इतिहास में दर्ज हो चुका है और इसका श्रेय देव भूमि की देव तुल्य जनता को जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय के फसलों ने हमें निर्देशित किया

धामी ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने हमें समय-समय पर सामाजिक समरसता के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड की आवश्यकता पर चेताया था लेकिन राजनीतिक तुष्टिकरण और स्वार्थ के चलते आजादी के इतने सालों के बाद भी इस आवश्यकता को दरकिनार करा जाता रहा। उन्होंने कहा कि हमें सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों ने निर्देशित किया है।(शाहबानो और मुद्दल केस)

बल दानियों की देवभूमि से एक नई गंगा निकली है

सीएम धामी ने कहा कि हमें गर्व का अनुभव है कि देव भूमि की इस बल दानियों की धरती से आज ये एक नई गंगा निकली है जो कि अब आदर्श स्थापित करने जा रही है।

अभी तो एक शुरुआत है

पुष्कर धामी ने कहा कि मातृशक्ति की सुरक्षा और सम्मान के लिए हमने तो अभी बस एक शुरुआत की है..

सभी लोगों का समान सम्मान और समान व्यवहार

धामी ने कहा कि हमें खुशी है कि हमने समाज के विभिन्न वर्ग और समुदायों के लिए उन सभी को समान मानकर समान व्यवहार करने के लिए समान नागरिक संहिता का यह एक नया रास्ता निकाला है जिस पर सभी का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की तरह व्यवहार करें

मुख्यमंत्री धामी ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तरफ ध्यान दिलाते हुए कहा कि राम राज्य में सभी को समान अधिकार और न्याय प्राप्त था तो इसलिए हम कह सकते हैं कि हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की तरह आदर्श व्यवहार करें।

वोट बैंक की राजनीति नहीं चलेगी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पीकर महोदया ,सदन के सदस्य गणों, यूनिफॉर्म सिविल कोड की समिति की अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई और साथ में लगे हुए अन्य लोगों अधिकारियों कर्मचारियों और उत्तराखंड की देवतुल्य जनता का आभार जताते हुए कहा कि यहां तक पहुंचने के लिए आप सभी का साथ और समर्पण जरूरी था जिसका कि वो आभार जताते हैं। सीएम धामी ने कहा कि अब वोट बैंक के राजनीति नहीं चलेगी।

उत्तराखंड : पुलिसकर्मियों को नहीं मिलेगी ऑफलाइन छुट्टी, नई व्यवस्था शुरू

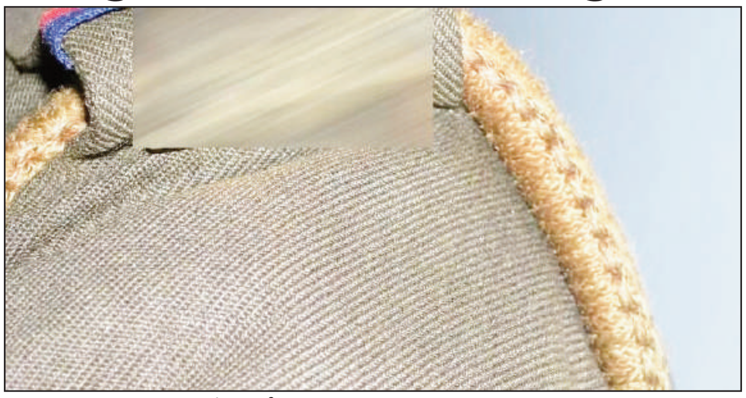

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 09 फरवरी : पुलिसकर्मियों की अब ऑफलाइन छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी। इसके लिए इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम आईएफएमएस पोर्टल पर आवेदन करना होगा। इसके बाद प्रभारी अधिकारी इसे पोर्टल से ही स्वीकृत करेंगे। इसके बाद ही छुट्टी मंजूर की जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों और बटालियन प्रभारियों को इस संबंध में दिशा आदेश जारी किए हैं। आईजी कार्मिक अनंत शंकर ताकवाले ने आदेश जारी किए हैं।

कहा, मुख्यालय में सभी अफसरों, कर्मियों की छुट्टी के लिए ऑनलाइन व्यवस्था शुरू कर दी गई है। आईएफएमएस पोर्टल पर छुट्टी मंजूर की जा रही हैं। ऐसे में सभी जिला पुलिस कप्तान भी अपने-अपने जिलों में इस व्यवस्था को लागू करेंगे। कहा, पोर्टल में ऑपरेटर स्तर से फीड करते हुए सुपरवाइजर और अधिकारी स्तर पर इसे मंजूर किया जाएगा। बताया, अर्जित अवकाश, मेडिकल अवकाश, पीएल, सीसीएल और मातृत्व सभी प्रकार के अवकाश इसी प्रकार से ऑनलाइन ही स्वीकृत किए जाएंगे। ऑफलाइन किसी भी प्रकार का कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। इस व्यवस्था को उन्होंने तत्काल लागू कराने के निर्देश दिए हैं।

पहले पढ़ाई फिर ब्याह होगा, शाबाश दुल्हनिया !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 फरवरी , उत्तर प्रदेश में बोर्ड एग्जाम के दौरान ऐसे दो मामले सामने आए हैं जो ये साबित करते हैं कि आजकल की लड़कियों का सपना सिर्फ शादी करके घर बसाना नहीं है. उनके पति से पहले वो परीक्षा है जो उन्हें आजादी के पंख दे सकती है. घर, परिवार के दबाव में भले ही उन्हें जल्दी शादी करनी पड़ रही हो. लेकिन उनके लिए सात फेरों की कसमों से पहले खुद से किया वो वादा याद है.. मुझे आत्मनिर्भर बनना है. पढ़िए ऐसी ही दो लड़कियों की कहानी जो यूपी बोर्ड परीक्षा देने पहुंची थीं.

ऐसा ही मामला यूपी के हमीरपुर से भी सामने आया है. हमीरपुर की रहने वाली स्नेहा शुक्ला बुधवार की सुबह जब बोर्ड परीक्षा देने पहुंची तो सभी उसको देखकर हैरान रह गए. स्नेहा शादी के जोड़े में संस्कृत का पेपर देने पहुंची थी. वहीं, उसका भी पति बारातियों संग इंतजार कर करता रहा.इटावा की रहने वाली जूली और हमीरपुर की स्नेहा की चर्चा हर तरफ होने लगी है. बोर्ड एग्जाम को लेकर ऐसा क्रेज लाखों स्टूडेंट्स के लिए मिशाल है. आप सोच सकते हैं कि बोर्ड परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए जहां छात्र एग्जाम सेंटर के अंदर जाने से पहले आखिरी मिनट तक पढ़ाई करते हैं, वहीं रात भर शादी की रस्में खत्म करने के तुरंत बाद सुबह बोर्ड परीक्षा के लिए पहुंच जाना आसान नहीं है.

बोर्ड एग्जाम किसी छात्र के जीवन में कितना खास होता है ये यूपी के इटावा और हमीरपुर में घटी इन घटनाओं से पता चलता है. हमीरपुर जिले के सुमेरपुर के इगोहटा गांव की रहने वाली स्नेहा शुक्ला लक्ष्मी चंद पालीवाल इंटर कॉलेज की 10वीं की छात्रा हैं. बुधवार की सुबह स्नेहा का संस्कृत का पेपर था. मंगलवार की रात पति के साथ सात फेरे लेने के बाद स्नेहा सुबह संस्कृत का पेपर देने चली गई. वहीं, इटावा की रहने वाली जूली 12वीं यानी इंटर की छात्रा है. बुधवार को जूली का चित्रलेखा आलेखन का पेपर था. वो भी शादी के तुरंत बाद विदाई से पहले परीक्षा देने परीक्षा केंद्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पहुंच गई. जूली पूरी तरह दूल्हन के लिबास में थी.छात्रा के इस कदम की सराहना की जा रही है.

अल्मोड़ा : जिला अस्पताल में 8 महीने बाद शुरू हुए आंखों के ऑपरेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 09 फरवरी। जिला अस्पताल में आठ महीने बाद आंखों के ऑपरेशन होने लगे हैं। ऑपरेशन थियेटर के नवनिर्माण के चलते लोगों को मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने के लिए बाहर के जिलों की दौड़ लगानी पड़ रही थी। ओटी ठप होने से विभाग के लिए अंधता निवारण कार्यक्रम के तहत मिले लक्ष्य को पूरा करना भी चुनौती बन गया है।अंधता निवारण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2023-24 में 500 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य मिला था।

जून से पूर्व जिला अस्पताल में 17 मरीजों के आंखों के ऑपरेशन हो चुके थे। जून के दूसरे सप्ताह से जिला अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद ऑपरेशन ठप हो गए थे। मरीजों की आंखों की जांच तो हो रही थी लेकिन ऑपरेशन के लिए ओटी बनने का इंतजार करने या बाहर के अस्पतालों में जाना पड़ रहा था। अब ऑपरेशन शुरू होने के बाद मरीजों को तो राहत मिल रही है लेकिन दो महीने से भी कम समय में अंधता निवारण कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष मोतियाबिंद के 468 ऑपरेशन कराना विभाग के लिए बड़ी चुनौती होगी।जिला अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ने बताया कि ओटी का काम पूरा होने के बाद फरवरी में आंखों के ऑपरेशन शुरू हो गए हैं। इस बीच 15 लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन भी हो चुके हैं। प्रत्येक मंगल और शुक्रवार को आंखों के ऑपरेशन होंगे।

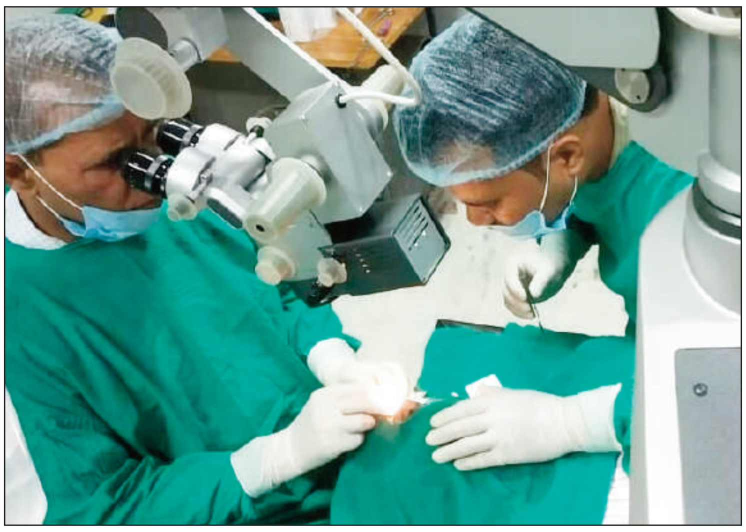

कुमाऊं में तेजी से बढ़ रही मुंह और सर्वाइकल कैंसर मरीजों की संख्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 09 फरवरी : उत्तराखंड में कैंसर के मरीजों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। राज्य के कुमाऊं मंडल में भी कैंसर रोगियों की संख्या काफी बढ़ रही है। शहर के स्वामी राम कैंसर इंस्टीट्यूट के कैंसर रोग विशेषज्ञों ने बताया कि कैंसर चिकित्सालय में बीते 13 साल में कैंसर मरीजों की संख्या दो गुना हुई।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधीन स्वामी राम कैंसर संस्थान की स्थापना 2009 में हुई थी। स्थापना के बाद से संस्थान में कुमाऊं के लोगों को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का इलाज मिलने लगा। साल 2010 में जहां कैंसर के कुल 2889 मरीज ही इलाज के लिए अस्पताल में पहुंचते थे, वही लगभग 13 साल में यह दायरा करीब दो गुना तक बढ़ा है। कैंसर अस्पताल में इलाज करवाने आए मरीजों की संख्या 2023 तक करीब 6574 तक पहुंची है, जिसमें ओपीडी से लेकर भर्ती मरीजों की संख्या शामिल है।

कैसे हो सकता है कैंसर से बचाव

कैंसर से बचाव के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. केसी पांडे ने बताया कि अपने प्रतिदिन की जीवनशैली में सुधार लाना होगा। फिजिकल एक्सरसाइज को नियमित तौर पर करें, खराब खानपान की आदतों में परिवर्तन करें, पौष्टिक भोजन जैसे फल और सब्जियों सेवन अधिक करें, संतुलित आहार लें, इसी के साथ शराब, तम्बाकू या अन्य नशीले पदार्थ के सेवन को पूरी तरह से बंद करने से ही कैंसर से छुटकारा मिलेगा।

बच्चों ने उठाया नेत्र जांच शिविर का लाभ

ऋषिकेश। नेगी आई केयर सेंटर ने निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया। इसमें छात्रों को नेत्र रोग से बचाव के लिए जागरूक किया गया। शिविर में 46 बच्चों ने नेत्र जांच का लाभ उठाया। गुरुवार को मनीराम मार्ग स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर आठ में नेगी आई केयर सेंटर ने एक दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ नेत्र चिकित्सक डॉ. राजे सिंह नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कम उम्र के बच्चों को चश्मा लगाए देखा जा रहा है। उचित खानपान और देखभाल न होने से बच्चों की आंखें कमजोर हो रही हैं। उन्होंने बच्चों को आंखों को स्वस्थ्य रखने के लिए हरी सब्जियों का सेवन करने, आंखों को साफ पानी से धोने, संतुलित आहार का सेवन करने को कहा। इस दौरान उन्होंने अपने सहयोगी मनोज नेगी के साथ 46 बच्चों की आंखों की जांच की। इसमें 12 बच्चों की नजर कमजोर पाई गई। इन्हें चश्मा लगाने की सलाह दी गई। मौके पर प्रधानाचार्या वंदना गैरोला, वंदना शर्मा, बबिता देवी, रजनी देवी, योगाचार्य उज्ज्वल चमोली, स्मिता कंडवाल आदि उपस्थित रहे।

पदक विजेता छात्र-छात्राओं का सम्मान

ऋषिकेश। महाराष्ट्र में आयोजित आर्चरी नेशनल चैंपियनशिप में डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रशासन ने छात्रों को सम्मानित किया। डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य शिव सहगल ने कहा कि बीती 1 से 6 फरवरी तक राजा राम भीकु पत्थआरे स्टेडियम पुणे महाराष्ट्र में आर्चरी नेशनल चैंपियनशिप हुई। इसमें विभिन्न राज्यों के 1030 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में डीएसबी के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, 16 रजत, और पांच कांस्य पदक हासिल किए। कहा कि अंडर 10 कंपाउंड बालक वर्ग में वेद हटवाल ने 1 स्वर्ण, 1 रजत, 14 रिकर्व बालिका वर्ग में अनुष्का जुगतवान ने 2 रजत, 1 कांस्य, आहना सकलानी ने 1 रजत, 1 कांस्य, अंडर-14 कंपाउंड बालिका वर्ग में सांची ने 1 रजत पदक, आराध्य मौर्य ने 2 रजत पदक, अंडर -14 कंपाउंड बालक वर्ग में श्रेयांस भट्ट ने 1 कांस्य पदक, अभिनव रयाल ने 1 कांस्य पदक, अंडर -17 रिकर्व बालक वर्ग में मनीष कंडियाल ने 2 रजत पदक, दीपांचल ने 2 रजत पदक, विहान गैरोला ने 1 रजत ,1 कांस्य पदक, अंडर -17 रिकर्व बालिक वर्ग में उन्नति जोशी ने 2 रजत पदक, अंडर -19 रिकर्व बालक वर्ग में अर्जुन केस्वाल ने 1 स्वर्ण, 1 रजत पदक और ओजस पैन्यूली ने 1 रजत पदक प्राप्त किया।

लेनदेन के विवाद में हुई थी युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर। बीते दिनों गदरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक की संदिग्ध अवस्था में लाश मिली थी। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस ने महज पांच दिन में युवक की हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। बताया कि डीजे की हिस्सेदारी विवाद के चलते उनके दो पार्टनरों ने डंडों से पीट-पीटकर युवक की हत्या की थी।

गुरुवार को गदरपुर थाने में एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोडके ने मामले का खुलासा किया। बताया कि चार फरवरी को धर्मेंद्र सिंह पुत्र बचन सिंह निवासी ग्राम कौशलपुर थाना गदरपुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि तीन फरवरी को डीजे का काम करने वाले उसके भाई जसपाल उर्फ विशाल की लाश मिली थी। उसने साथ में काम करने वाले दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। एसएसपी के निर्देश पर थाना गदरपुर पुलिस और एसओजी को मिलाकर 4 अलग-अलग टीमें गठित की गईं।

संक्षिप्त खबरें

संकल्प यात्रा के तहत योजनाओं की जानकारी

देहरादून। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। गुरुवार को टैगोर विला स्थित सदा शिव मंदिर ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान भारत, पीएम स्ट्रीट वेंडर, फेरी योजना, प्रधानमंत्री जन धन, अटल पेंशन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, उज्जवला योजना समेत विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। लोगों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। राजपुर रोड विधायक खजान दास ने कहा कि विकसित भारत संकल्प के माध्यम से जनता को जहां सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल रही है, वहीं, स्वास्थ्य शिविरों का भी लाभ ले रहे हैं। इस मौके पर भाजपा नेता रतन सिंह चौहान, सतीश कपूर, हरीश नारंग, अजय सोनकर, राहुल सोनकर, संदीप गुप्ता, अमित वर्मा, कुलदीप सिंह, ललकार, चंद्र मोहन अरोड़ा, कृष्ण गोपाल, रुहेला, पवन त्रिपाठी, सुरेश शाह, अरुण शाह, लक्ष्मी पाल मौजूद रहे।

सीसीएल में मिलेगा पूरा वेतन, आदेश जारी

देहरादून। बाल्य देखभाल अवकाश (सीसीएल) के दौरान महिला कर्मचारियों और एकल अभिभावकों को अवकाश के दौरान पूरा वेतन मिलेगा। सरकार ने अवकाश के दूसरे वर्ष वेतन में 20 प्रतिशत कटौती की व्यवस्था को वापस ले लिया। वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने गुरुवार को सीसीएल का संशोधित आदेश जारी किया। पिछले साल एक जून 2023 को सरकार ने सीसीएल की नई व्यवस्था लागू की थी। सीसीएल के तहत कार्मिकों को 18 महीने का चरणबद्ध तरीके से अवकाश मिलता है। इसके तहत पहले साल के अवकाश में शतप्रतिशत वेतन और उसके बाद की अवधि के अवकाश में केवल 80 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था की गई थी। कर्मचारी इसका विरोध कर रहे थे। कुछ समय पहले कार्मिकों की मांग पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व की व्यवस्था लागू करने का आश्वासन दिया था। कैबिनेट ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। जावलकर के अनुसार अब कार्मिकों को छुट्टी पर जाने से पहले मिल रहे वेतन के बराबर ही अवकाश वेतन मिलेगा।

हाउस आफ हिमालयाज का कंपनी के रूप में गठन

देहरादून। राज्य सरकार ने स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग व मार्केटिंग के लिए हाउस आफ हिमालयाज का कंपनी के रूप में गठन कर दिया है। मुख्य सचिव कंपनी अध्यक्ष होंगे, जबकि इसमें 12 अन्य सदस्य रहेंगे। उधर, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अफसरों को उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने यह आदेश किए हैं। राज्य में प्रचलित सभी ब्रांड्स के उत्पादों की पहुंच बढ़ाने, गुणवत्ता में सुधार करने, मानकीकृत पैकेजिंग,ब्रांडिंग और विपणन के लिए यह कंपनी बनाई गई है। विदित है कि आठ दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हाउस आफ हिमालयाज का लोकार्पण किया था। स्थानीय हितधारकों के साथ ही स्वयं सहायता समूहों, किसानों की आजीविका संवर्द्धन और लखपति दीदी योजना को कारगर बनाने कि लिए सरकार ने इसके लांचिंग की है। पहले सरकार ने इसे सोसायटी का रूप दिया था, जिसे अब कंपनी बना दिया। कंपनी में ग्राम्य विकास के सचिव उपाध्यक्ष, अपर सचिव प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी गैर सरकारी अथवा व्यवसायिक क्षेत्र से नामित होगा। वहीं, अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास, वित्त, उद्योग, कृषि,वन, सहकारिता, पर्यटन और अपर सचिव उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति (यूजेवीएस) सदस्य होंगे। इसके अलावा चार स्वतंत्र गैर सरकारी सदस्य भी नामित किए जाएंगे। इस बोर्ड को हाउस आफ हिमालयाज के लिए सभी निर्णय लेने का अधिकार होगा।

वाम दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ दिया धरना

देहरादून। वाम दलों के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर धरना दिया। उन्होंने सरकार पर भेदभाव की नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। चेताया कि सरकार अपनी नीतियों में यदि सुधार नहीं लाती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। दीनदयाल पार्क में सीपीआई, ?सीपीआई (एम) और सीपीआई एमएल के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त धरना दिया। साथ ही डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भी भेजा। उन्होंने राज्य सरकारों के अधिकारों के लिए केरल के सीएम की ओर से दिल्ली में दिए जा रहे धरने का समर्थन किया। वक्ताओं ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार जब से आयी है विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं और विपक्षी सरकारों की आर्थिक नाकेबंदी कर रही है। सरकार अपने राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई आदि संस्थाओं दुरुपयोग भी कर रही है। कहा कि राज्यों को उनके करों और संसाधनों के उचित हिस्से से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। मनमाने ढंग से उधार लेने की सीमा तय करने पर भी रोक लगनी चाहिए। धरने पर सीपीआईएम ?के राज्य सचिव राजेन्द्र नेगी, सीपीआईएमएल राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, सीपीआई नेता अशोक शर्मा, सपा के राष्ट्रीय सचिव डा एसएन सचान, सीपीएम नेता सुरेंद्र सिंह सजवाण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिव प्रसाद देवली, सीपीआई नेता डीएन लखेड़ा, कमरूद्दीन, लेखराज, माला गुरुंग, कृष्ण गुनियाल, अनन्त आकाश, त्रिलोचन भट्ट, विजय भट्ट, इंद्रेश नौटियाल, सतीश धौलाखंडी, जयकृत कंडवाल, वीके डोभाल, सुरेंद्र रावत, एसएस नेगी, दिनेश नौटियाल, नितिन मलेठा, शैलेंद्र, पुरुषोत्तम बडोनी, सुधा देवली आदि मौजूद रहे।

मुस्लिम संगठनों ने यूसीसी पर बुलाई बैठक

देहरादून। मुस्लिम संगठनों ने यूसीसी पर रविवार को बैठक बुलाई है। गुरुवार को जामा मस्जिद में उलमा और जिम्मेदार लोगों ने बैठक की रणनीति पर चर्चा की। बताया कि यूसीसी बिल पढ़कर साफ प्रतीत हो रहा है कि यह एक संप्रदाय और उनकी धार्मिक भावनाओं को निशाना बनाने के लिए लागू किया जा रहा है। रविवार की बैठक को लेकर शनिवार को भी विचार-विमर्श किया जाएगा। गुरुवार को हुई बैठक में शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी, इमाम संगठन के अध्यक्ष मुफ्ती रईस अहमद कासमी, मुस्लिम सेवा संगठन अध्यक्ष नईम कुरैशी, उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी, मुफ्ती हुजैफा मौलाना हासिम समेत अन्य मौजूद रहे।

भाजपा जो कहती है, उसे करने में विश्वास रखती है: मनजिंदर सिंह सिरसा

ऋषिकेश। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि भाजपा जो कहती है, उसे करने में विश्वास रखती है। आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से अधिक सीटें जीतकर केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाएगी। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा जिला महामंत्री राजेंद्र तड़ियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी वर्गों को समान अधिकार दे रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ भाजपा कार्य कर रही है। कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनी है। जौलीग्रांट से भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सड़क मार्ग से देहरादून के लिए रवाना हुए। मौके पर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री विशाल छेत्री, अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामकिशन, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चंद्रपाल, डोईवाला मंडल के मीडिया प्रभारी भारत गुप्ता, माजरी मंडल के युवा मोर्चा अध्यक्ष मनिंदर सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह बाऊ, जसविंदर सिंह लाडी, अजय सक्सेना, ईश्वर रौथाण, पंकज शर्मा, मनोज कांबोज, ओंकार सिंह सैनी, परमजीत सिंह काकू, निशांत चौधरी, लखबीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

देहरादून : राजभवन में एक मार्च से सजेगा खूबसूरत फूलों का संसार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 फरवरी : राजभवन में एक मार्च से वसंतोत्सव का आगाज होगा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा, एक से तीन मार्च तक आयोजित होने वाले वसंतोत्सव को पूरे उमंग और उत्साह के साथ एक उत्सव के रूप में मनाया जाए, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो।कहा, यह आयोजन राजकीय न रहकर इसमें प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा दिया जाए और आम जनमानस इस आयोजन से जुड़े। राजभवन में हुई बैठक में राज्यपाल ने कहा, वसंतोत्सव से उत्तराखंड में फ्लोरीकल्चर को बढ़ावा दिया जाए। पुष्प प्रदर्शनी को व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ा जाना आवश्यक है।यह आयोजन राज्य के दूर-दराज के पुष्पोत्पादन, जड़ी-बूटी, सगंध पौधों एवं अन्य जैविक उत्पादों की व्यावसायिक खेती से जुड़े काश्तकारों और उत्पादकों के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित होना चाहिए। वसंतोत्सव में आईएचएम व जीएमवीएन संग ही राज्य की महिला स्वयं सहायता समूहों के सौजन्य से फूड कोर्ट स्थापित किए जाएं, जिसमें मुख्य रूप से हमारे पारंपरिक मोटे अनाज को वरीयता दी जाए।वसंतोत्सव से विशेष रूप से शहद उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा, पुष्पोत्पादन और कृषि गतिविधियों पर आधारित लगने वाले स्टॉल में महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी हो और उन्हें स्टॉल लगाने के लिए वरीयता दी जाए। बैठक में बताया गया कि पुष्प प्रदर्शनी में 15 कई श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं।

सड़कों के शोर में रहने वालों को हाई ब्लड प्रेशर का है खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 फ़रवरी , हम सब जानते हैं कि प्रदूषण हमारे लिए कितना नुकसानदेह है. लेकिन अधिकांश लोग वायु प्रदूषण या जल प्रदूषण के बारे में ही जानते हैं जबकि साउंड पॉल्यूशन या ध्वनि प्रदूषण भी हमारे लिए कम नुसानदेह नहीं है. ध्वनि प्रदूषण यानी ज्यादा शोर या आवाज से निकलने वाली कंपन के कारण जो प्रदूषण होता है उसे ध्वनि या साउंड पॉल्यूशन कहते हैं. ध्वनि प्रदूषण से सिर्फ कान ही खराब नहीं होते बल्कि इससे आपके शरीर के ब्लड प्रेशर का मीटर भी बढ़ जाएगा. यह बात हम नहीं, बल्कि एक रिसर्च में सामने आई है. रिसर्च के मुताबिक ट्रैफिक से निकलने वाली ध्वनियां ब्लड प्रेशर को बढ़ा देती है. अध्ययन के मुताबिक सड़क पर बीपिंग साउंड, इमरजेंसी सायरन और गाड़ियों के इंजन से निकली आवाज का सीधा संबंध हाई ब्लड प्रेशर से है.

भीड़-भाड़ वाले ट्रैफिक के पास रहना जोखिमपूर्ण

ग्लोबल डाइबेट्स कम्यूनिटी के मुताबिक अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर जिंग ह्वांग ने बताया कि अधिक शोर से कान के पर्दे पर असर पड़ता है यह बात हम सब जानते हैं लेकिन ट्रैफिक से निकलने वाले शोर ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है, यह सुनने में थोड़ा अजीब लगता है. उन्होंने कहा कि बेशक लोग अपने घरों में साउंड पॉल्यूशन को कंट्रोल कर लेते हैं लेकिन यदि आपका घर भीड़-भाड़ वाले ट्रैफिक के पास है तो इससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है. इससे दिल से संबंधित कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है.

शांत इलाकों में रहने वालों में खतरा कम

इस अध्ययन में अधेड़ उम्र के 2.40 लाख लोगों के हेल्थ डाटा का विश्लेषण किया गया. इन डाटा का गहराई से अध्ययन किया गया. विश्लेषण के बाद पाया गया कि जो लोग बहुत व्यस्त सड़कों या ट्रैफिक के आसपास रहते हैं उन लोगों में शांत इलाकों में रहने वालों की तुलना में हाई ब्लड प्रेशर के मामले बहुत ज्यादा थे. अध्ययन में पाया गया कि जो लोग ज्यादा ट्रैफिक वाले इलाके में रहते थे और वायु प्रदूषण के संपर्क में भी ज्यादा थे उन लोगों में हाइपरटेंशन का खतरा कहीं ज्यादा था. प्रोफेसर जिंग ह्वांग ने बताया कि अधिकांश लोग इन दोनों तरह के खतरों के एक्सपोजर में रहते हैं, खासकर शहरी लोगों में. ऐसे में इन खतरों को पहचानना हमारे विए बेहद जरूरी है. अध्ययन में यह भी पाया गया कि जो लोग शांत इलाकों में रहते हैं, उन लोगों में शोर वाले इलाके में रहने वाले लोगों की तुलना में ब्लड प्रेशर बढ़ने का जोखिम कम था. प्रोफेसर जिंग ह्वांग ने कहा कि इतने बड़े सैंपल के साथ यह अध्ययन संभवतः पहला प्रयास है. लेकिन जरूरी इस बात की है कि इन खतरों को पहचान कर इससे बचना जरूरी है

देहरादून : UKPSC ने समूह-ग के 223 पदों पर निकली भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 फरवरी : सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवा ध्यान दें। लोक सेवा आयोग की ओर से प्रदेश के कई विभागों में समूह-ग के खाली पड़े पदों पर भर्ती निकाली गई है। कुल कितने पदों पर भर्ती होनी है और आवेदन के लिए क्या करना होगा, सबसे पहले तो ये जान लें कि भर्ती के माध्यम से समूह-ग के 223 पदों को भरा जाएगा। जून में आयोग की ओर से भर्ती के लिए परीक्षा प्रस्तावित की गई है।

लोक सेवा आयोग की ओर से अन्वेषक कम संगणक एवं सहायक सांख्यिकीय अधिकारी परीक्षा-2023 के तहत कई विभागों में समूह-ग के रिक्त 223 पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से चयन करने के प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसमें महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग में 19 पदों, सहकारी समितियों में तीन, उच्च शिक्षा विभाग में दो, खाद्य एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग में 13, डेयरी विकास विभाग में एक, कृषि विभाग में 38, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग में 22, अर्थ एवं संख्या विभाग में 125 पदों पर भर्ती निकाली गई है।

लोक सेवा आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत ने बताया, भर्तियों के लिए लिखित परीक्षा (मुख्य) (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का आयोजन जून में करना प्रस्तावित है। जो भी युवा भर्ती में हिस्सा लेना चाहते हैं, उन्हें ऑनलाइन मोड में आवेदन करना होगा। इन पदों के लिए 28 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं। इसमें संशोधन और परिवर्तन करने की तिथि सात मार्च से 16 मार्च तक रहेगी। ज्यादा जानकारी के लिए UKPSC की वेबसाइट पर विजिट करें।

फ्रिज में सब्जियां खराब होने की वजह से तलाक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

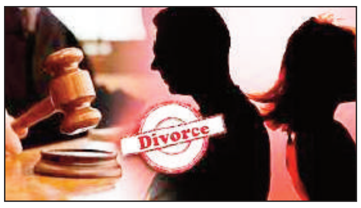

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 फ़रवरी , रोजाना तलाक के कई केस अदालत के सामने आते हैं लेकिन पश्चमि बंगाल में तलाक की जो वजह सामने आई है वह बहुत ही हैरान करने वाली है. घर में खाना नहीं बनता, फ्रिज में रोज सब्जियां बर्बाद हो जाती है. जी हां, यही है सैंथिया दंपत्ति के तलाक मामले की यह वजह है! जसि भी शख्स ने तलाक की यह वजह सुनी वह हैरान रह गया

पहली बार में जसिने सुना उसका लगा कयिह तलाक का केस कयिा 'पागल आदमी' ने दाखलि कयिा होगा, हालांकि, ऐसा नहीं है, वह एक सरकारी कर्मचारी है, जो स्वास्थ्य विभाग, रामपुरहाट, बीरभूम में कार्यरत है. पतकी दलील थी कमौजूदा समय में जब सब्जियों के दाम इतने ज्यादा हैं कि एक बार इन सब्जियों को फ्रिज के अंदर रख दिया जाए तो ये बाहर निकलने का नाम ही नहीं लेती हैं. स्वाभाविक रूप से सब्जियां अंदर ही अंदर खराब होने लगती हैं. हालांकि, इस संबंध में पत्नी की दलील है कवह खाना बनाएगी भी तो किसे खिलाएगी ? परिवार में सिर्फ 3 सदस्य हैं, इसलिए सब्जियों को फ्रिज में रखना पड़ता है और इस तरह सब्जियां खराब हो जाती हैं.

यह जोड़ा बीरभूम के सैंथिया कॉलेज रोड में रहता है.

उनकी कहानी सुनकर उनके वकील भी अपनी हंसी नहीं रोक सके. सूत्रों के मुताबिक, हालांकि बाद में दोनों पक्षों के वकीलों ने मिल-बैठकर मामले को सुलझाने की कोशिश की.

उन्होंने कहा कि उनके पति पिछले तीन महीने से परिवार चलाने के लिए कोई खर्च नहीं दे रहे हैं और उसके लिए तीन महीने घर चलाना मुश्किल हो गया है. हालांकि, इस संबंध में, पति का कहना है कि जब वह पूरे दिन काम करने के बाद घर लौटता है तो घर पर शांति का एक भी क्षण नहीं होता है.पती का कहना है कयिह मामला दिन-ब-दिन बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है इसलिए अब एक छत के नीचे रहना संभव नहीं है.

देहरादून : नशे की लत पूरी करने के लिए युवक बना लुटेरा, गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 फरवरी : उत्तराखंड में नशे की लत युवाओं को किस कदर अपराध की राह पर ले जा रही है, इसकी एक बानगी देहरादून में देखने को मिली। यहां नशे की लत पूरी करने के लिए एक लड़का लुटेरा बन गया। वह स्कूटी पर सवार होकर अपने लिए शिकार तलाशने लगा। जब एक लूट में कुछ हाथ नहीं लगता तो वह दूसरी जगह लूट करने पहुंच जाता था। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को नशे की लत है, और नशे में ही उसने सारी घटनाओं को अंजाम दिया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। चलिए पूरा मामला बताते हैं।

नेहरू कॉलोनी में रहने वाली आरती शर्मा ने पुलिस में लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि शाम के वक्त वो ऑफिस से घर जा रही थी, तभी राजीवनगर कट पर एक स्कूटी सवार लड़के ने उनका बैग लूट लिया। बैग में 2 हजार की नकदी और जरूरी कागज थे। इस दौरान पुलिस को ये भी पता चला कि डालनवाला क्षेत्र में तीन अलग-अलग जगहों पर इसी तरह की लूट की घटनाएं हुई हैं, यहां भी काली स्कूटी पर सवार लड़के ने लूट को अंजाम दिया। इसके बाद पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया।

जांच के दौरान पुलिस आरोपी अर्चित नैथानी तक पहुंची और बद्री कॉलोनी के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से लूट का सामान बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे नशे की लत पूरी करने के लिए पैसे चाहिए थे। सर्कुलर रोड पर उसने एक महिला का बैग छीन लिया, लेकिन उसमें ज्यादा रुपये नहीं थे। इसके बाद उसने दूसरी घटनाओं को अंजाम दिया। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है।

सड़क पर बने डिवाइडर, काली-पीली धारियों में क्यों रंगे होते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 फरवरी : सड़क पर चलते वक्त आपको कई ऐसी चीजें दिखाई दे जाती होंगी जो अपने में बेहद अनोखी होती हैं. कई बार इन चीजों की बनावट, रंग-रूप ऐसा होता है कि उनको लेकर लोगों के अंदर और अधिक जानने की उत्सुकता पैदा होती है. ऐसी ही एक चीज है डिवाइडर. आने-जाने वाली सड़कों को बांटने के लिए उनके बीच में एक डिवाइडर बनाया जाता है. आपने वो तो जरूर देखा होगा. पर आपको भी ये जानने की उत्सुकता हुई होगी कि आखिर उनके ऊपर काली-पीली धारियां क्यों बनाई जाती हैं. आज हम इसी बात का जवाब आपको देने जा रहे हैं.

सड़क पर, खासकर किसी हाईवे या ऐसी रोड्स पर चलना, जिस पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा हो, खतरनाक हो सकता है. ऐसे में ट्रैफिक नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है. नियमों के पालन करने के अलावा भी प्रशासन, चालकों की सुविधा के लिए लोग पर ऐसी चीजें बनाती है, जिससे वो आसानी से सड़क पर चल सकें. डिवाइडर पर काली पीली लाइनें बनाने का भी यही कारण होता है. इस डिवाइडर को लोगों की सुविधा के लिए ही बनाया जाता है.रीड सिविल नाम की सिविल इंजीनियर की ऑनलाइन मैगजीन के अनुसार डिवाइडर को काले-पीले रंग में रंगने का कारण है कि वो अंधेरे में और भी ज्यादा आसानी से नज़र आएं. भारतीय सड़कों के डिवाइडर पर ये पीली काली धारियों वाले डिवाइडर आसानी से दिख जाते हैं. कोहरे के वक्त या फिर अंधेरे में, काला, पीला और सफेद रंग ही आसानी से दिखता है. इंटरनेशनल हाईवे कोड्स के अनुसार भी इन्हीं रंगों को मान्यता प्राप्त है. इन रंगों पर लाइट पड़ने से वो ज्यादा रिफ्लेक्ट हो जाती है. पीले और काले का पैटर्न आंखों को तुरंत दिखाई दे जाता है और दूर से आ रही कार में बैठे व्यक्ति की नजर उसपर पड़ जाएगी।

संपादकीय

'पारिवारिक' दलों की परिणति

वयोवृद्ध नेता शरद पवार केंद्रीय रक्षा और कृषि मंत्री रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। प्रधानमंत्री पद के लिए उनका नाम कई बार चर्चा में रहा है। उन्हें भारतीय राजनीति का 'चाणक्य' समझा जाता रहा है। हालांकि उनका बुनियादी जनाधार महाराष्ट्र तक ही सीमित रहा है। आज वह 'चाणक्य' खाली हाथ, पराजित अवस्था में है। विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होते हुए उन्होंने जिस 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (एनसीपी) का गठन, पी.ए.संगमा और तारिक अनवर सरीखे मित्रों के साथ, किया था, आज वह पार्टी उनसे छिन चुकी है। शरद पवार ने इस पार्टी की मौजूदगी कुछ और राज्यों में भी स्थापित कराई थी, लेकिन उनके भतीजे अजित पवार की बगावत ने ही उनकी पार्टी पर कब्जा कर लिया। जिस भतीजे को चलना-उठना सिखाया, सियासत का ककहरा पढ़ाया, इस काबिल बनाया कि आज वह महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं, उसी भतीजे ने 'वर्चस्व की भूख' के कारण पिता-तुल्य शरद पवार को गच्चा दे दिया। हालांकि अजित पवार के तर्क कुछ और हैं। दरअसल जो राजनीतिक दल 'पारिवारिक' किस्म के हैं, उनमें वर्चस्व की लड़ाई तय है और परिणति भी ऐसी ही होती है। उसमें चुनाव आयोग की भूमिका सीमित है। महाराष्ट्र में ही बाल ठाकरे ने 'शिवसेना' पार्टी बनाई थी। एक समय ऐसा आया, जब उन्होंने अपने बेटे उद्धव ठाकरे को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर पार्टी की विरासत तय कर दी। बाल ठाकरे के निधन के बाद एक समूह में असंतोष और विद्रोह पनपने लगा। नतीजतन पार्टी दोफाड़ हो गई, लेकिन अधिकांश सांसद, विधायक, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्य, जिला अध्यक्ष आदि 'असंतुष्ट पक्ष' की तरफ थे। उन्होंने खुद को 'असली शिवसेना' घोषित किया, क्योंकि एक अदद कार्यकर्ता और नेता के तौर पर उन्होंने ही बाल ठाकरे के नेतृत्व में पार्टी को सींचा था। उन्हें राजनीतिक दल की 'वंशवादी विरासत' मंजूर नहीं थी। चुनाव आयोग ने उन्हें ही 'असली शिवसेना' स्वीकार किया। पार्टी का नाम, चुनाव चिह्न और ध्वज आदि उसी 'विद्रोही समूह' को आवंटित कर दिए। उस समूह के नेता एकनाथ शिंदे, भाजपा के समर्थन से, आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं। उद्धव ठाकरे किलस कर, छटपटा कर और सर्वोच्च अदालत में गुहार करके रह गए। बाल ठाकरे के 'राजनीतिक वारिस' शिंदे गुट के नेता बन गए। शरद पवार के साथ भी लगभग ऐसा ही हुआ है। उनके सगे भतीजे अजित पवार के नेतृत्व में एक समूह ने बगावत की और शिवसेना की तर्ज पर ही एनसीपी का आवंटन, शरद पवार से छीन कर, उन्हें दे दिया गया। फिलहाल बुजुर्ग शरद पवार के हाथ बिल्कुल खाली हैं। अब उन्हें 80 साल से अधिक की उम्र में पार्टी के नए नाम और चुनाव चिह्न के साथ राजनीतिक संघर्ष करना पड़ेगा। अभी एनसीपी का मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। उद्धव की शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग के इस फैसले को 'लोकतंत्र की पीठ में छुरा घोंपना' करार दिया है। यह एकांगी दृष्टिकोण है। वैसे चुनाव आयोग के ऐसे फैसलों की प्रक्रिया में कुछ संशोधन संसद के जरिए किए जाने चाहिए। कमोबेश यह तथ्य विचारणीय होना चाहिए कि पार्टी की स्थापना किसने की और तत्कालीन अध्यक्ष कौन था?

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

किसान हित में आवाज उठाने का लिया संकल्प

देहरादून। भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) ने यूनियन के स्थापना दिवस पर प्रदेश के किसानों और मजदूरों के हक में आवाज उठाने का संकल्प लिया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में यूनियन ने केक काटकर एक दूसरे को बधाई दी। इस दौरान मानीमाई मंदिर डोईवाला में भंडारे का भी आयोजन किया गया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष रवि पंवार, राष्ट्रीय सलाहकार समिति अध्यक्ष ओमपाल सिंह पंवार, राजकुमार, अनुराग, उदयवीर सिंह, महेंद्र सिंह बिष्ट, अशोक कुमार, संजीव कुमार, जगदीश सिंह आर्यन, प्रवीण बिष्ट आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

स्कूली बच्चों को दी कार्यशाला में कचरा प्रबंधन की जानकारी

देहरादून। उत्तराखंड साइंस एजुकेशन एवं अनुसन्धान केंद्र (यूसर्क) और संरक्षण सामाजिक कल्याण समिति की ओर से आयोजित कार्यशाला में कचरा प्रबंधन की जानकारी दी गई।राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज डोभालवाला में 'जनसहभागिता द्वारा कचरे का उचित प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यशाला युसर्क की निदेशक डॉ. अनीता रावत ने किया। विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद अभिषेक मंदोला के निर्देशन में संभव मंच की टीम ने 'एक थी गौरा पर बहुत ही शानदार नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। उन्होंने नाटक के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर इको ग्रुप सोसाइटी के अध्यक्ष श्री आशीष गर्ग ने बच्चों को प्लास्टिक कचरे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया और प्लास्टिक से इको ब्रिक्स बनाना सिखाया। साथ ही इसके उपयोग भी बताए। वेस्ट वारियर्स संस्था के ज्ञानदीप अग्निहोत्री ने कचरे के निस्तारण और घर पर कचरे को कैसे कम करें विषय पर जानकारी साझा की। परमजीत सिंह ने हरे कचरे के प्रबंधन की जानकारी दी। स्पेक्स संस्था के सचिव डॉ. ब्रिज मोहन शर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रबंधन पर विस्तार से बताया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र सिंह बिष्ट, संस्था की अध्यक्ष लक्ष्मी मिश्रा, उपाध्यक्ष ऋचा नौटियाल, सचिव अमृता, सह सचिव नरेश नौटियाल, कोषाध्यक्ष नरेश चमोली, सदस्य प्रांजल, शीला चौहान, कुलदीप काला, शेखर पाल, युवराज, गहना कौशिक आदि मौजूद रहे।

विपक्षी दलों ने यूसीसी के कई प्रावधानों पर जताई आपत्ति

देहरादून। कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने समान नागरिक सहिंता(यूसीसी) में शादी, तलाक, संपत्ति बंटवारे, लिव इन रिलेशनशिप पर लाए गए प्रावधानों पर आपत्ति जताई है। आरोप लगाया कि सरकार ने यूसीसी के नाम पर निजता के अधिकार का अनन किया है। लिवइन रिलेशनशिप अपराध की श्रेणी में आ गई है। उत्तराखंड प्रेसक्लब में गुरुवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, सीपीआई एमएल, उत्तराखंड महिला मंच, इंसानियत मंच आदि ने संयुक्त प्रेसवार्ता की। महिला मंच की कमला पंत ने कहा कि सरकार ने जिस बिल को नागरिक संहिता कहकर पारित किया है, सही मायनों में वह दंड संहिता है। इसमें शादी, तलाक और लिवइन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन नहीं करने पर दंड की व्यवस्था की गई है। सपा के राष्ट्रीय सचिव डा. सत्यनारायण सचान ने कहा कि अनुसूचित जनजातियों, रुढ़ि और प्रथा को यूसीसी से बाहर रखा गया है। भाजपा ने वोट बैंक बचाने के लिए यह किया है। कांग्रेस की प्रदेश मुख्य प्रवक्ता गरिमा दोसानी ने कहा कि यह बिल सिर्फ कुछ समुदायों को निधाने पर लाने के लिए लाया गया है। इसमें अल्पसंख्यक, महिलाएं और लिवइन रिलेशनशिप में रहने वाले शामिल हैं। सीपीआई-एमएल के इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि लिवइन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन से दमन, भ्रष्टाचार और मनमानी बढ़ेगी। महिलाओं के खिलाफ हिंसाएं बढ़ेंगी। इंसानियत मंच के रवि चोपड़ा और अधिवक्ता रजिया बाग ने कहा कि इस कानून द्वारा मौलिक अधिकारों को छीन लिया गया है। शादी, तलाक, संपत्ति के बंटवारे को लेकर पहले ही बेहतर कानून मौजूद हैं। यूसीसी में की गई व्यवस्थाएं धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ हैं। मौके पर निर्मला बिष्ट, सुरेंद्र सिंह सजवाण, त्रिलोचन भट्ट आदि मौजूद थे।

पद्मश्री प्रीतम भरतवाण को मिला प्रतिनिधिमंडल

देहरादून। उत्तरांचल उत्थान परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने संपर्क अभियान के तहत गुरुवार को लोक गायक पद्मश्री प्रीतम भरतवाण से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्हें सम्मान स्वरूप वार्षिक पत्रिका 'हिमांजलि भेंट की गई। इस दौरान परिषद के महामंत्री राम प्रकाश पैन्यूली ने उन्हें उत्तरांचल उत्थान परिषद के संस्थापक डॉ. नित्यानंद के जन्म दिवस के उपलक्ष में नौ फरवरी को मनाए जा रहे ग्राम गौरव दिवस की जानकारी दी। डॉ. नित्यानंद की ओर से किए गये सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। बताया कि उत्तरांचल उत्थान परिषद सभी जनपदों में ग्रामोत्सव और अन्य विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से संस्कार केंद्र संचालित करता है, उत्तराखण्ड के गांवों में लोगों को दुग्ध व्यवसाय, पारंपरिक जैविक खेती, स्थानीय क्षेत्र में संभावित फलों और सब्जियों के उत्पादन में स्वावलंबन और स्वरोजगार से आर्थिक स्थिति सुधारने में लोगों का मार्गदर्शन और सहायता करता है।

Mental Health के लिए बेहतर है इंटरनेट?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 फ़रवरी , इंटरनेट मॉडर्न लाइफ का एक अभिन्न अंग है। ग्लोबल पॉपुलेशन उद्देश्यों के लिए दिन-रात इंटरनेट का यूज कर रहे हैं। हालांकि, इस बात का एहसास हो भी सकता है और नहीं भी कि इंटरनेट का यूज करना अब सिर्फ हमारी हैबिट नहीं, बल्कि एक बुरी लत बन गई है। यह लत ही वह वजह है, जिसकी वजह से दुनिया भर में लोगों में मेंटल डिसऑर्डर के मामले देखते हैं, लेकिन कुछ स्टडी में यह बात सामने आई है कि इंटरनेट का इस्तेमाल नुकसान नहीं करता है।2 मिलियन से ज्यादा लोगों के इंटरनेट इस्तेमाल करने पर एक स्टडी में पाया गया कि सोशल मीडिया ब्राउजिंग और गेमिंग जैसी ऑनलाइन एक्टिविटी से मेंटल हेल्थ को होने वाले नुकसान नहीं है और मोबाइल ऐप्स डिप्रेशन और चिंता का कारण बन सकते हैं। ऑक्सफोर्ड इंटरनेट इंस्टीट्यूट (Oxford Internet Institute) के रिसर्चरों ने कहा कि कोई सबूत नहीं मिला है कि कुछ समूहों को टेक्नोलॉजी से ज्यादा खतरा है। हालांकि, प्रोफेसर एंड्रयू प्रेजीबिल्स्की ने कहा कि अगर ऐप्स मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं , तो उन्हें बनाने वाली कंपनियों के पास ही यूजर का डेटा है, जो इसे साबित कर सकता है।

प्रोफेसर एंड्रयू प्रेजीबिल्स्की ने कहा कि हमारे पास मौजूद डेटा से पता चलता है कि इन फैक्टर के बीच कोई ग्लोबल रिलेशन नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर ऑनलाइन एक्टिविटी वास्तव में मेंटल की समस्याओं को जन्म देती है तो जोखिम बहुत बड़ा है। प्रिजीबिल्स्की और वुओरे ने 2005 और 2022 के बीच 168 देशों में 15 से 89 वर्ष की आयु के 2.4 मिलियन लोगों के साइकोलॉजिकल पर डाटा की स्टडी की, जिसके मुकाबले उस समय के दौरान इंटरनेट सब्सक्रिप्शन में बढ़ने के बारे में इंडस्ट्री के आंकड़ों के साथ की, साथ ही मेंटल हेल्थ के बीच संबंधों पर भी नजर रखी।इंटरनेट और इसके द्वारा टेक्नोलॉजीज, जैसे कि इंटरनेट एक्सेस वाले स्मार्टफोन, ग्लोबल लेवल पर भलाई या मेंटल हेल्थ को एक्टिव रूप से बढ़ावा दे रहे हैं या नुकसान पहुंचा रहे हैं। हालांकि, युवा लोगों के बीच मेंटल हेल्थ समस्याओं और टेक्नोलॉजी के बीच बड़े संबंधों के "कुछ सबूत" थे, लेकिन ये ज्यादा कुछ नहीं बता पाए थे। स्टडी से पता चला है कि सोशल मीडिया पर समय कम करने से मेंटल हेल्थ को फायदा हो सकता है, जबकि जो लोग सबसे ज्यादा समय तक ऑनलाइन समय बिताते हैं उन्हें नुकसान होने का खतरा अधिक होता है।

रिश्तों के बीच दूरियां बढ़ा सकता है स्मार्टफोन, ऐसे संभालें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 फ़रवरी , आजकल बच्चों से लेकर बढ़े सभी स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं. ये हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया है. जहां इसमें हमारी जिंदगी के जुड़े कुछ कामों को काफी हद तक आसान बनाया है, वहीं इसके कारण कुछ नुकसान भी दिखाई देते हैं. इससे सिर्फ सेहत ही नहीं बल्कि हमारे रिश्तों पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है. हम ज्यादातर समय स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं. काम के लिए तो ठीक है, लेकिन खाली समय में भी हम बेवजह लगातार स्क्रीन को स्क्रॉल करते रहने से हमारा सारा समय इसमें ही खराब हो जाता है.

ऐसे में हम अपनो को समय नहीं दे पाते हैं, जिसका असर हमारे रिश्तों पर पड़ता है. यहां तक कि बाहर घूमने या डिनर पर जाते समय भी हम अपने-अपने फोन का इस्तेमाल करते रहते हैं. खासतौर पर जब आप अपने पार्टनर और बच्चों को समय देने की बजाय अपने स्मार्टफोन पर समय बिताते हैं. चलिए, जानते हैं इससे रिश्तों पर असर कैसे पड़ता है और इसे कैसे मैनेज करें.

इग्नोरेंस की भावना

परिवार और पार्टनर से ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल कर समय बिताने से उन्हें ऐसा महसूस हो सकता है कि आप उन्हें नजरअंदाज कर रहे हैं. ऐसे में उनके प्रति आपका ये व्यवहार उन्हें ठेस पहुंचा सकता है.क्योंकि भले ही आपके मन में अपने पार्टनर, पेरेंट्स और बच्चों के लिए कितना ही प्यार क्यों न हो. लेकिन हर रिश्ते को समय की जरूरत होती है. इसलिए खाली समय में फोन की जगह अपने परिवार के साथ समय बिताएं.

दूरी का कारण

दिन भर मोबाइल फोन पर न्यूज और मनोरंजन से जुड़ी चीजें देखते रहना और परिवार के लिए समय नहीं निकालने के कारण आपके और उनके बीच दूरियां पैदा हो सकती हैं. इसलिए आपने परिवार खासकर के बच्चों के लिए समय जरूर निकालें.

लग सकता है बुरा

अगर आप अपने पार्टनर से बात करते समय या उनके साथ होने पर भी उन्हें अहमियत न देकर फोन का इस्तेमाल करते हैं,तो इससे उन्हें भी बुरा लग सकता है.खासकर अगर आप लगातार ऐसा करते हैं तो इससे आपके रिश्ते के बीच दरार आ सकती है.यही हमारे पेरेंट्स के साथ भी अगर हम उनके साथ बैठे हुए भी मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं तो इससे उन्हें भी बहुत बुरा लग सकता है.इसलिए परिवार के साथ बैठते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने की कोशिश करें.

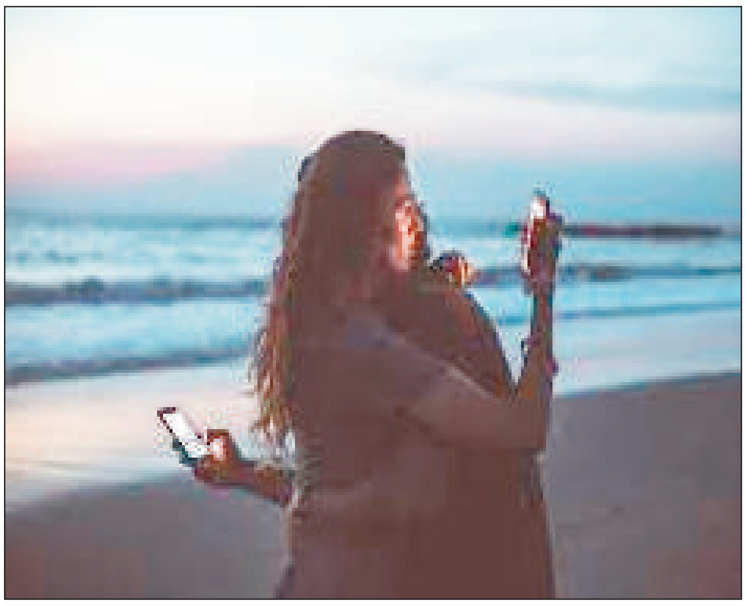

लोक सभा चुनाव से पहले कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली को भरी हुंकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर। लोक सभा चुनाव से पहले कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा गरमा दिया है। गुरुवार को कर्मचारियों की बैठक में इसके लिए लोक सभा चुनाव तक लगातार आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। आंदोलन के पहले चरण में 11 फरवरी को धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें सभी विभागों के कर्मचारियों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। डाकपत्थर स्थित निरीक्षण भवन में संपन्न हुई बैठक में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष गडोही ने कहा कि पुरानी पेंशन लागू करने से वित्तीय भार बढ़ने का हवाला दिया जा रहा है, लेकिन पश्चिम बंगाल ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को समाप्त नहीं किया है और न ही वहां कोई आर्थिक संकट पैदा हुआ है। कई अन्य प्रदेशों ने पुरानी पेंशन बहाली की ओर कदम बढ़ाया है।

हिमाचल प्रदेश इसका ताजा उदाहरण है। कहा कि कर्मचारियों को पेंशन देने से आर्थिक भार नहीं बढ़ता है। सरकार की फिजूल खर्ची से आर्थिक भार बढ़ता है। इसके साथ ही विधायिका से जुड़े लोगों की संख्या हर दो साल में बढ़ती जाती है, जिन्हें पेंशन और अन्य सुविधाओं के नाम पर भारी भरकम राशि दी जा रही है। लेकिन विधायिका से जुड़े लोगों को मतदान करने और निष्पक्ष मतदान कराकर सदन तक पहुंचाने वाले सरकारी कर्मचारियों को पेंशन से वंचित कर दिया गया है। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के जनपद अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीकोटी ने कहा कि कई देशों में जन प्रतिनिधियों को पेंशन दिए जाने की व्यवस्था नहीं है, लेकिन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन दी जाती है। जबकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सरकारी मशीनरी को चलाने वाले कर्मचारियों के साथ ही भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस भेदभाव पूर्ण रवैए के खिलाफ और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आंदोलन शुरु किया जाएगा। इसकी शुरुआत 11 फरवरी को जिला मुख्यालयों पर होने वाले प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन से की जाएगी। इस दौरान मुकेश बहुगुणा, मुनीश बावरा, प्रीतम तोमर, पिंकी तोमर, संदीप राठौर, हरीश घलवान, सुशील डोभाल आदि मौजूद रहे।

विस अध्यक्ष से की तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण की मांग

विकासनगर। अशासकीय विद्यालयों में तैनात तदर्थ शिक्षकों के विनयमितीकरण की मांग को लेकर माध्यमिक शिक्षक संघ ने विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को ज्ञापन सौंपा। अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री नीरज वर्मा ने विधान सभा अध्यक्ष को बताया कि 30 जून 2010 तक नियुक्त तदर्थ शिक्षकों का विनयमितीकरण किया जा चुका है। लेकिन उसके बाद नियुक्त हुए तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण नहीं हुआ है। बताया कि इसके लिए विद्यालयी शिक्षा अधिनियम 2006 की धारा-41 में संसोधन किया जाना जरूरी है। इसके लिए मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से आग्रह किया जाना चाहिए। बताया कि वर्ष 2010 से शिक्षकों का विनियमितीकरण नहीं होने से उन्हें विभागीय लाभों से वंचित होना पड़ रहा है। कई अशासकीय विद्यालयों में एलटी से प्रवक्ता पद पर पदोन्नति भी नहीं हो रही है। बताया कि पूरे प्रदेश में 425 शिक्षकों का विनियमितीकरण होना है। उन्होंने शिक्षकों के हित में जल्द कार्यवाही करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में संघ के जिलाध्यक्ष संजय बिजल्वाण, महादेव मैठाणी, सुरेंद्र मदान, सत्यपाल, इनायत आदि शामिल रहे।

यूओयू में राज्य ज्ञान विज्ञान सम्मेलन शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान-प्रौद्योगिकी कांग्रेस शुरू हो गया है7 देशभर से आए वैज्ञानिकों ने अपने अपने विचार रखे7 मुख्य अतिथि पूर्व सांसद भगत सिंह कोश्यारी ने आयोजन के लिए विवि की सराहना की7 यहां पद्मश्री, पद्मभूषण डॉ. अनिल जोशी, अभिनेता दिलीप ताहिर, कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, कुलसचिव प्रो. पीडी पंत आदि मौजूद रहे7

लखवाड़ बांध परियोजना में स्थाई रोजगार की मांग को धरने पर डटे युवा

विकासनगर। लखवाड़-व्यासी युवा श्रम संविदा सहकारी समिति का बीते चार दिनों से चल रहा धरना जारी है। हालांकि परियोजना स्थल पर निर्माण कार्य दो दिन ठप रहने के बाद शुरू कर दिया गया है, लेकिन युवा स्थाई रोजगार के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद ही धरना समाप्त करने की बात पर अड़े हुए हैं।समिति के अध्यक्ष संदीप तोमर ने कहा कि बांध प्रभावित प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को परियोजना के तहत स्थाई रोजगार मुहैया कराया जाना चाहिए। इस मामले में जब तक जल विद्युत निगम भर्ती प्रक्रिया के लिए अधिसूचना जारी नहीं कर देता तब तक परियोजना स्थल पर धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। स्थानीय जनता भी बेरोजगार युवाओं का पूर्ण समर्थन कर रही है। युवाओं के परिवार की कृषि भूमि समेत अन्य परिसंपत्तियों को यूजेवीएनएल ने अधिग्रहीत कर दिया है, जिससे उनके पास रोजगार का कोई साधन उपलब्ध नहीं है। जबकि परियोजना के तहत स्थाई रोजगार बाहरी लोगों को दिया जा रहा है। बांध प्रभावित युवाओं को बतौर दैनिक श्रम काम पर रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बांध प्रभावित युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार स्थाई रोजगार दिया जाना चाहिए। कहा शासन, प्रशासन जल्द से जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरु नहीं करेगा तो बेरोजगार युवा और उनके परिजनों द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव का भी पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। धरना देने वालों में संदीप तोमर, गोल्डी, विवेक, मनीष, अमन, जयदीप, संजय, राकेश, अनिता, सुरेश, तरुण, अजय, रजत, कपिल तोमर आदि शामिल रहे।

छात्रों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई

विकासनगर। समर्पण सोसाइटी फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट की संस्था कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के सहयोग से नगर क्षेत्र के निजी शिक्षण संस्थान में बाल विवाह को रोकने लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। फील्ड ऑफिसर रणवीर सिंह ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत बनने से ही बचपन सुरक्षित रहेगा।

छात्रों के उच्च शिक्षा में विषय चयन संबंधी जानकारी दी

विकासनगर। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कालसी में गुरुवार को छात्र-छात्राओं के लिए कॅरियर काउंसलिंग कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में पीजी कॉलेज डाकपत्थर के प्राध्यापकों ने उच्च शिक्षा के दौरान विषय चयन की जानकारी दी। प्रो. आरपी बडोनी ने छात्रों को बताया कि विषय चयन के दौरान अपनी रुचि का ध्यान रखना चाहिए। बताया कि अक्सर छात्र उन विषयों का चयन करते हैं, जिनको उनके अधिक सहपाठी ले रहे हों। ऐसे में कई बार ऐसे विषयों का चयन हो जाता है, जो उनकी रुचि के अनुकूल नहीं है या फिर जिन विषयों का उन्हें प्रारंभिक ज्ञान कम है। बताया कि उच्च शिक्षा के दौरान विषयों का चयन सबसे महत्वपूर्ण है। चयनित विषय ही आपके भविष्य की नींव बनते हैं। कई छात्रों की रुचि साहित्य में होती है, लिहाजा उन्हें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत जैसे विषयों का चयन करना चाहिए। जिन छात्रों की रुचि खेलकूद में हो उन्हें उसी में अधिक समय देना चाहिए। डॉ. डीके भाटिया ने छात्रों को लाइफ साइंस से संबंधित विषयों की जानकारी देने के साथ ही नई शिक्षा नीति के बारे में बताया। इस दौरान प्रधानाचार्य सचिन असवाल, एमके देवशाली, एसपी चमोली, सुधीर सेमवाल, मंजू रावत आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला नैनीताल के द्वारा कार्यकरिणी का विस्तार किया जा रहा है। जिसमें संगठन के जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता की संस्तुति पर जिला महामंत्री हर्षवद्र्धन पांडे ने संगठन के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष केएनसी तिवाड़ी के सुपुत्र विजय तिवाड़ी को जिला सहकोषाध्यक्ष व वरिष्ठ समाज सेवी प्रमोद भट्ट को जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। उनके मनोनयन पर प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्र शेखर पंत,राजेश अग्रवाल, नवनीत राणा, शांति जीना ,रूपेंद्र नागर,हितेंद्र भसीन, जिला कोषाध्यक्ष लाला जायसवाल, मुरली मनोहर मुलानी, महानगर अध्यक्ष योगेश शर्मा, महामंत्री मनोज जायसवाल, काठगोदाम अध्यक्ष गोविंद भाकुनी, महामंत्री भुवन जोशी, देवल्चोड़ अध्यक्ष प्रफुल्ल पांडे,मुखानी कुसुम खेड़ा अध्यक्ष मनीष अग्रवाल,युवा जिलाध्यक्ष सौरभ भट्ट, युवा महानगर अध्यक्ष पवन वर्मा,महानगर महिला अध्यक्ष विनीता शर्मा, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष कुसुम दिगारी, महामंत्री ऊर्वशी बोरा सहित व्यापारी प्रतिनिधियों ने बधाई दी।

गोशाला की जगह सार्वजनिक उपयोग का स्थल बनाए जाने की मांग

हल्द्वानी। सद्भावना समिति ने अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाके में सांप्रदायिक सौहाद्र्र बनाए रखने के लिए गोशाला की जगह सार्वजनिक स्थल बनाने की मांग की है। गुरुवार को एसडीएम के माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर और जिलाधिकारी को भेजे ज्ञापन में उन्होंने कहा कि लावारिस पशुओं के लिए आश्रय बनाना जरूरी है। जवाहरनगर की घनी अल्पसंख्यक आबादी में गोशाला बनाए जाने से तनाव की आंशका बनी हुई है। वहीं प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बढ़ने का खतरा भी बना है। उन्होंने इस स्थान को सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाने की मांग की। इस मौके पर उत्तराखंड सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष इस्लाम हुसैन, भाकपा (माले) के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडे, आंबेडकर मिशन के अध्यक्ष जीआर टम्टा, सद्भावना समिति के अखलाख खान, प्रभात पाल, मोइन खान आदि मौजूद रहे।

पहले ट्रक फिर विद्युत पोल से टकराई रोडवेज, चालक घायल

हल्द्वानी। दिल्ली से हल्द्वानी की तरफ आ रही रोडवेज बस हल्द्वानी में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रामपुर रोड पर बस पहले एक ट्रक से टकराई उसके बाद विद्युत पोल से भिड़ गई। हादसे में बस चालक का पैर टूट गया। टीपी नगर चौकी प्रभारी सुशील कुमार जोशी ने बताया कि दुर्घटना सुबह साढ़े छह बजे की है। बस सडक़ किनारे खड़े ट्रक से टकराई थी। गनीमत रही बस में सवार किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है। वहीं बस चालक को एसटीएच में भर्ती कराया गया है।

नैनीताल में चटक धूप खिलने से मौसम हुआ सुहावना

नैनीताल। सरोवर नगरी में सुबह से चटक धूप खिली रही।सुहाना मौसम होने से स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों ने भी मौसम का आनन्द उठाया। साथ ही पर्यटक नौकायन का लुत्फ़ उठाते भी नजर आये।सरोवर नगरी में पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। दूर दूर से पर्यटक नैनीताल घूमने आ रहे हैं।

लोसर पर तीन दिन बंद रहेगा तिब्बतन मार्केट

नैनीताल। नैनीताल का तिब्बतन मार्केट लोसर के उपलक्ष्य में तीन दिन रहेगा बंद। आज से लोसर की शुरुआत हो गई है। आज के दिन से तिब्बतन समुदाय के लोग घुतुक डिश बनाते है इसके साथ ही अपने आराध्य की पूजा अर्चना करते है। इसके साथ ही 3 दिन लोसर पर्व तिब्बतन समुदाय में बड़ी धूम धाम से बनाया जाता है जो कि इस वर्ष 10 फरवरी से 12 फरवरी तक मनाया जायेगा और इस उपलक्ष्य में नैनीताल की तिब्बतन मार्केट 3 दिन तक बंद रहेगी।

नगर निगम का जेई रिश्वत लेते गिरफ्तार

हल्द्वानी। नगर निगम के जेई को विजिलेंस टीम ने 22 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। विजिलेंस के मुताबिक जेई केवी उपाध्याय के खिलाफ स्ट्रीट लाइट कंपनी से 22 हजार रुपये प्रतिमाह रिश्वत की शिकायत थी।

आठ दिन बाद हुई रोडवेज स्टेशन में सफाई

हल्द्वानी। काठगोदाम और हल्द्वानी बस स्टेशन में आठ दिनों के बाद सफाई शुरू हो सकीहै। एक फरवरी से नए ठेकेदार से अनुबंध होने के बाद से सफाई नहीं हो रही थी। जिसके लिए परिवहन निगम के अधिकारियों ने ठेकेदार को नोटिस दिया। सफाई नहीं किए जाने पर अनुबंध समाप्त किए जाने का लिखित आदेश मिलने पर आज गुरुवार को सफाई शुरू की गई है। जिसमें कर्मचारियों और यात्रियों को राहत मिली। एनआरएम एसएस बिष्ट ने बताया कि आगे भी नियमानुसार सफाई नहीं किए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।